NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

विजडम इंडिया

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 14 अंक: 02 लखनऊ, रविवार 11 अगस्त 2024 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

पैदल ही मलबे में चल पड़े पीएम मोदी, पीड़ितो से भी मिले, कहा– यह सामान्य आपदा नहीं, हजारों सपने चकनाचूर हुए

एजेंसी।

नई दिल्ली प्रधानमंत्री ने कहा कि यह आपदा सामान्य नहीं है। हजारों परिवारों के सपने चकनाचूर हो गए हैं। मैंने मौके पर जाकर हालात देखे हैं। मैंने राहत शिविरों में पीड़ितों से मुलाकात की है, जिन्होंने इस आपदा का सामना किया है। मैंने अस्पताल में घायल मरीजों से भी मुलाकात की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्थिति का आकलन करने के लिए भूस्खलन प्रभावित वायनाड का दौरा किया। 30 जुलाई को आई इस आपदा में कम से कम 226 लोगों की जान चली गई है और कई लोग अभी भी लापता हैं। इसे केरल में आई सबसे भयंकर प्राकृतिक

आपदाओं में से एक माना जाता है। पीड़ितों से मुलाकात के पीएम मोदी ने बड़ी बैठक भी की। इसके बाद मोदी ने कहा कि जिस दिन यह घटना हुई, उस सुबह मैंने सीएम पिनाराई विजयन से बात की थी और उन्हें आश्वासन दिया था कि हम सहायता प्रदान करेंगे और जल्द से जल्द घटनास्थल पर पहुंचने की कोशिश करेंगे। मोदी ने आगे कहा कि NDRF, SDRF, सेना, पुलिस, डॉक्टर, सभी ने पीड़ितों की जल्द से जल्द मदद करने की कोशिश की। मैं मृतकों के परिवारों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि वे अकेले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार केरल सरकार के साथ खड़ी है और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि पैसे की कमी के कारण कोई भी काम बाधित न हो। उन्होंने कहा कि भूस्खलन की घटना के बारे में जब से मुझे पता चला है, तब से मैं लगातार इसकी जानकारी ले रहा हूँ। केंद्र सरकार की सभी एजेन्सियाँ जो इस आपदा में मदद कर सकती थीं, तुरंत मदद के लिए जुट गई हैं।

अधिकारियों ने बताया कि मोदी कन्नूर हवाई अड्डे से वायुसेना के हेलीकॉप्टर के जरिये वायनाड पहुंचे और 30 जुलाई को बड़े पैमाने पर हुई भूस्खलन की घटनाओं से प्रभावित चूरलमाला क्षेत्र में पैदल चलकर नुकसान का जायजा लिया।

मोदी ने एक राहत शिविर का भी दौरा किया, जहां भारी भूस्खलन के कारण विस्थापित हुए कई लोग रह रहे हैं। उन्होंने घटना से प्रभावित कुछ लोगों से बातचीत की। इनमें दो बच्चे भी शामिल थे, ।

योगी बोले– बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार पर सबके मुंह सिले हुए हैं... उनकी रक्षा हमारा दायित्व है

संवाददाता।

लखनऊ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हिंदुओं की रक्षा करना हमारा दायित्व है। आज जब बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है तो सबके मुंह सिले हुए हैं। मुख्यमंत्री शनिवार को अयोध्या के मिल्कीपुर में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है तो सबके मुंह सिले हुए हैं कोई नहीं बोल रहा है लेकिन हिंदुओं की रक्षा करना हमारा दायित्व है। एक मानव के नाते उसकी रक्षा करना हमारा दायित्व है। उन्होंने सभी विपक्षी पार्टियों को निशाने पर लेते हुए कहा कि ये लोग हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर इसलिए नहीं बोल रहे हैं कि उन्हें पता है कि इससे उन्हें वोट नहीं मिलेगा। सीएम

योगी आदित्यनाथ अयोध्या के मिल्कीपुर में जनसभा को संबोधित कर रहे थे उन्होंने कहा कि हम हिंदुओं को बचाने के लिए आवाज उठाते रहेंगे। मानवता की रक्षा के लिए आवाज उठाते रहेंगे। जब जब राक्षसी प्रवृत्तियां ताकतवर होंगी हमें एकजुट होना होगा। भगवान श्रीराम तो राजकुमार थे चाहते तो अयोध्या में राज करते पर पिता का वचन निभाने के लिए निकल गए क्योंकि उन्हें राक्षसों का सर्वनाश करना था।अयोध्या को मिली नई पहचान मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर बनने से भगवान श्रीराम की नगरी को दुनिया भर में पहचान मिली है। दुनिया भर से रामभक्त दर्शन करने के लिए आ रहे हैं। अयोध्या में इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। विकास हो रहा है। विश्व में अयोध्या की नई पहचान बन रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर एयरपोर्ट से राजकीय वायुयान से महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट अयोध्या पहुंचे।

बीजेपी का सवाल, सिसोदिया बतायें की क्या 30 लाख की सख्त बड़ी जमानत राशि असाधारण नहीं

एजेंसी।

नई दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है की दिल्ली की जनता संजय सिंह एवं मनीष सिसोदिया से जानना चाहती है की क्या यह सच नही की उनको हफ्ते में दो दिन सुबह 10 बजे थाने में हाजिरी और 24 घंटे फोन लोकेशन चालू रखने जैसी असमान्य शर्तों पर जमानत दी गई है?नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है की आज जेल से सशर्त जमानत पर

छूटे मनीष सिसोदिया के लिए आयोजित स्वागत समारोह में जिस बड़बोलेपन से आम आदमी पार्टी नेताओं ने भाषणबाजी की उसका जवाब उन्हे दिल्ली की जनता जनवरी 2025 के विधानसभा चुनाव में देगी। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है की दिल्ली की जनता संजय सिंह एवं मनीष सिसोदिया से जानना चाहती है की क्या यह सच नही की उनको हफ्ते में दो दिन सुबह 10 बजे थाने में हाजिरी और 24 घंटे फोन लोकेशन चालू रखने जैसी असमान्य शर्तों पर जमानत दी गई है? सिसोदिया एवं संजय सिंह जवाब दें क्या 30 लाख की जमानत एक असाधारण रूप से सख्त बड़ी जमानत राशि नही है ?सचदेवा ने कहा है की जमानत का जश्न मना रही आम आदमी पार्टी को ध्यान रखना चाहिए की उनके प्रेरणा स्रोत लालू यादव को भी चारा घोटाले में जमानत मिली थी फिर 2016 में लम्बी सजा भी मिली थी। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है की आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की जमानत जब्त कराने का सपना देखने वाले ष्आपष नेता यह याद रखें की दिल्ली वालो ने हाल ही में लोकसभा चुनाव में जिस तरह उनका केजरीवाल को जेल पर वोट की चोट का नारा नकार दिया था अब उसी तरह विधानसभा चुनाव में आप के भाजपा की जमानत जब्त करने के नारे को ना सिर्फ नकारेगी बल्कि अधिकांश आप प्रत्याशियों की जमानत जब्त करवायेगी।

इंदिरा की तानाशाही के आगे न्यायपालिका ने टेके थे घुटनेश, आपातकाल पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का बड़ा बयान

एजेंसी।

नई दिल्ली जगदीप धनखड़ ने आज कानून के शासन के प्रति न्यायपालिका की दृढ़ प्रतिबद्धता की सराहना की, साथ ही भारत के इतिहास के एक दर्दनाक अध्याय जून 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा लगाया गया आपातकाल पर भी विचार किया। आपातकाल को लेकर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का बड़ा बयान सामने आया है। जगदीप धनखड़ ने कहा कि यदि उच्चतम स्तर पर न्यायपालिका इंदिरा गांधी की तानाशाही के आगे झुकी नहीं होती, तो आपातकाल की स्थिति नहीं आती। उन्होंने कहा कि हमारा देश बहुत पहले ही अधिक विकास कर चुका होता। हमें दशकों तक इंतजार नहीं करना पड़ता। जगदीप धनखड़ ने आज कानून के शासन के प्रति न्यायपालिका की दृढ़ प्रतिबद्धता की सराहना की, साथ ही भारत के इतिहास के एक दर्दनाक अध्याय – जून 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा लगाया गया आपातकाल – पर भी विचार किया। आपातकाल के दौर को आजादी के बाद का ष्सबसे क्रूर और काला दौरष बताते हुए, धनखड़ ने चिंता व्यक्त की कि इस दौरान न्यायपालिका का सर्वोच्च स्तर, जो आमतौर पर ष्बुनियादी अधिकारों का एक दुर्जेय गढ़ष होता है, ष्निर्लज्ज तानाशाही शासनष के आगे झुक गया। उपराष्ट्रपति ने कहा, ष्सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि आपातकाल के दौरान कोई भी व्यक्ति अपने अधिकारों के लिए किसी भी न्यायालय में नहीं जा सकता।ष उन्होंने असंख्य नागरिकों की स्वतंत्रता पर इस फैसले के गंभीर प्रभावों की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का संकल्प लिया है, ताकि यह याद दिलाया जा सके कि जब एक व्यक्ति ने भारत के संविधान को लापरवाही से रौंद दिया था, तब क्या हुआ था। संविधान के किसी भी हिस्से का पालन नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान, एक व्यक्ति ने स्वतंत्रता को बंधक बना लिया था। बिना

किसी गलती के गिरफ्तार किए गए लोगों को न्यायिक मदद लेने से रोक दिया गया था। सर्वोच्च न्यायालय ने 9 उच्च न्यायालयों के उन फैसलों को पलट दिया, जिन्होंने पीड़ितों के पक्ष में फैसला सुनाया था। यह न्यायालय 9 उच्च न्यायालयों की उस सचित्र सूची में था। मुझे वास्तव में इस संस्था का हिस्सा होने पर गर्व है!!उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति ने स्वतंत्रता को बंधक बना लिया और देश भर में हजारों लोगों को बिना किसी गलती के गिरफ्तार कर लिया गया, सिवाय इसके कि वे भारत माता और राष्ट्रवाद में दिल से विश्वास करते थे। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) ने क्रमशः भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली है और ये एक जुलाई से प्रभावी हो गए हैं। उन्होंने कहा, ''ये कानून हमें औपनिवेशिक विरासत से मुक्त करने और उसकी मानसिकता से छुटकारा दिलाने के लिए हैं। ये कानून हमारे द्वारा, हमारे लिए हैं...।'' धनखड़ ने जोधपुर में एक राज्य स्तरीय सम्मेलन में न्यायिक अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा, '' (नए कानूनों को लेकर) 'मिशन मोड' में रहें, इनके प्रति जुनूनी बनें, लोगों को इनकी जरूरत है। क्रांतिकारी बदलाव आए हैं।

मनीष सिसोदिया जेल से तो बाहर आ गए, क्या फिर से बन पाएंगे उपमुख्यमंत्री? संवैधानिक बाधाओं को पार करना बड़ी चुनौती

एजेंसी। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बाद मनीष सिसोदिया सबसे ताकतवर माने जाते थे। आप नेता ने शिक्षा, वित्त, योजना, भूमि और भवन, सतर्कता सेवाएं, महिला एवं बाल विकास, कला एवं संस्कृति और भाषा समेत 18 महत्वपूर्ण विभागों को संभाला था। जब तक वह दोबारा शपथ नहीं ले लेते, तब तक वह कोई भी मंत्री पद नहीं संभाल पाएंगे। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया शुक्रवार को फिर से मंत्री बनने की चर्चा है। कई आप नेता और समर्थक सिसोदिया की शीघ्र मंत्री पद पर वापसी के लिए दबाव बना रहे हैं, उनका तर्क है कि उनका पिछला प्रदर्शन और वर्तमान राजनीतिक माहौल, विशेषकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जेल में रहने के कारण, उन्हें दिल्ली सरकार का नेतृत्व करने के लिए आदर्श उम्मीदवार बनाते हैं। हालांकि, इस कदम में कई चुनौतियां हैं। मुख्य रूप से, केजरीवाल के जेल में होने का मतलब है कि वह सिसोदिया

जेल से बाहर आ गए। उन्हें अब रद्द हो चुके दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में 17 महीने पहले गिरफ्तार किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी थी। अब लोगों के बीच उनके दिल्ली के उपमुख्यमंत्री के रूप में फिर से बहाल होने की चर्चा है। फरवरी 2023 में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा गिरफ्तार किए जाने के कुछ दिनों बाद सिसोदिया ने उपमुख्यमंत्री पद और दिल्ली कैबिनेट में अपनी सीट से इस्तीफा दे दिया। हालांकि, मनीष सिसोदिया अभी भी पटपड़गंज से विधायक हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बाद मनीष सिसोदिया सबसे ताकतवर माने जाते थे। आप नेता ने शिक्षा, वित्त, योजना, भूमि और भवन, सतर्कता सेवाएं, महिला एवं बाल विकास, कला एवं संस्कृति और भाषा समेत 18 महत्वपूर्ण विभागों को संभाला था। जब तक वह दोबारा शपथ नहीं ले लेते, तब तक वह कोई भी मंत्री पद नहीं संभाल पाएंगे। सिसोदिया को लेकर एक बार की नियुक्ति की सिफारिश करने के लिए आवश्यक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर नहीं कर सकते। दिल्ली, एक केंद्र शासित प्रदेश में, कैबिनेट मंत्री की नियुक्ति की प्रक्रिया में मुख्यमंत्री की सिफारिश को उपराज्यपाल के माध्यम से भारत के राष्ट्रपति के पास भेजा जाता है, और राष्ट्रपति की सहमति के बाद ही कोई नया मंत्री शपथ ले सकता है। दिल्ली में छह महीने में विधानसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में ।।च आंतरिक रूप से सिसोदिया की भूमिका पर विचार कर रही है। पार्टी के कुछ सदस्यों का तर्क है कि सरकार में उनकी उपस्थिति महत्वपूर्ण है, जबकि अन्य का सुझाव है कि वह संगठनात्मक भूमिका में अधिक प्रभावी हो सकते हैं। सिसोदिया और उनकी पत्नी के स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं भी निर्णय को प्रभावित कर रही हैं।

आखिरकार, सिसोदिया को यह तय करना होगा कि अब सरकार में फिर से शामिल होना है या पर्दे के पीछे से समर्थन करना है।

सीनियर आईएसएस टीवी सोमनाथन को मोदी सरकार ने बनाया कैबिनेट सचिव, राजीव गौबा की लेंगे जगह

एजेंसी।

नई दिल्ली कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने टीवी सोमनाथन, आईएएस को कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से कैबिनेट सचिव के रूप में कार्यभार संभालने तक कैबिनेट सचिवालय में विशेष कर्तव्य अधिकारी के रूप में नियुक्ति को भी मंजूरी दे दी है।नरेंद्र मोदी सरकार ने शनिवार को 1987 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी टीवी सोमनाथन को दो साल के कार्यकाल के लिए कैबिनेट सचिव नियुक्त किया। वह 1982 बैच के आईएएस अधिकारी राजीव

गौबा का स्थान लेंगे, जिनका कैबिनेट सचिव के रूप में पांच साल का कार्यकाल अभूतपूर्व था। बयान में कहा गया है कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने टीवी सोमनाथन, आईएएस को कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से कैबिनेट सचिव के रूप में कार्यभार संभालने तक कैबिनेट सचिवालय में विशेष कर्तव्य अधिकारी के रूप में नियुक्ति को भी मंजूरी दे दी है। आईएएस अधिकारी के पास अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि है और वह एक योग्य चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए), लागत लेखाकार और कंपनी सचिव हैं। उन्होंने पत्रिकाओं और समाचार पत्रों में अर्थशास्त्र, वित्त और सार्वजनिक नीति पर 80 से अधिक पत्र और लेख प्रकाशित किए हैं, और दो पुस्तकों के साथ–साथ कई अन्य अध्यायों के लेखक हैं। उन्होंने आईएएस से प्रतिनियुक्ति पर विश्व बैंक, वाशिंगटन डी.सी. में निदेशक के रूप में भी काम किया है।

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में आतंकियों से मुठभेड़, दो जवान घायल, सर्च ऑपरेशन जारी

एजेंसी।

जम्मू कश्मीर अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ तब शुरू हुई जब आतंकवादियों ने तलाशी दल के जवानों पर गोलियां चलाईं, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई की गई। गोलीबारी में सेना के दो जवान घायल हो गए।दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के कोकरनाग के अहलान इलाके में शनिवार को आतंकवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में भारतीय सेना के दो जवान घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ दोपहर में शुरू हुई थी, जिसमें दो आतंकवादियों

के फंसे होने की आशंका थी। सुरक्षा बलों ने वहां आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ तब शुरू हुई जब आतंकवादियों ने तलाशी दल के जवानों पर गोलियां चलाईं, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई की गई। गोलीबारी में सेना के दो जवान घायल हो गए।मुठभेड़ तब शुरू हुई जब आतंकवादियों ने सर्च टीम पर गोलीबारी की, जिसके बाद सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की। गोलीबारी जारी है और इलाके का घना जंगल होने के कारण संचार में दिक्कत आ रही है। घायल सैनिकों को घटनास्थल से सफलतापूर्वक निकाल लिया गया है। ऑपरेशन जारी रहने के कारण विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। इससे पहले शनिवार को अहलान गगरमांडू इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच एक और मुठभेड़ हुई थी।इसके अलावा, जम्मू–कश्मीर पुलिस ने कठुआ जिले में मौजूद चार आतंकवादियों के स्केच जारी किए हैं।

दंगे भड़काने के लिए मराठा आरक्षण आंदोलन का इस्तेमाल करने की कोशिश में लगे, राज ठाकरे का बड़ा आरोप

एजेंसी।

महाराष्ट राज ठाकरे ने एक

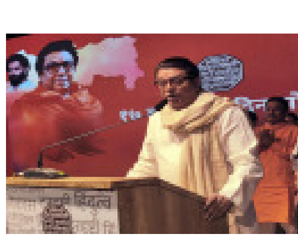

संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनके आंदोलन को ढाल के रूप में इस्तेमाल करके शरद पवार और उद्धव ठाकरे जैसे लोग मराठवाड़ा में राजनीति कर रहे हैं।महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने 10 अगस्त को आरोप लगाया कि शरद पवार और उद्धव ठाकरे राज्य में खासकर मराठवाड़ा क्षेत्र में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले दंगे भड़काने के लिए मराठा आरक्षण आंदोलन का इस्तेमाल करने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने दावा किया कि ये दोनों मनोज जारांगे के नेतृत्व वाले आरक्षण आंदोलन को जाति की राजनीति के लिए ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहे थे। राज ठाकरे ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनके आंदोलन को ढाल के रूप में इस्तेमाल करके शरद पवार और उद्धव ठाकरे जैसे लोग मराठवाड़ा में राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) उनके मराठवाड़ा दौरे में बाधा डालने की कोशिश करेंगे तो वे महाराष्ट्र में एक भी रैली नहीं कर पाएंगे। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब एक दिन पहले बीड शहर में उनके काफिले के गुजरने के दौरान कुछ कार्यकर्ताओं, जिन पर संदेह है कि वे शिवसेना (यूबीटी) से जुड़े हुए थे, ने सुपारी फेंकी थी। इस कृत्य के लिए चार शिव सेना (यूबीटी) कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। इससे पहले दिन में शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने स्वीकार किया कि राज ठाकरे के खिलाफ विरोध करने वाले लोग ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट के पदाधिकारी हो सकते हैं। हालांकि, उन्होंने शुक्रवार के प्रदर्शन से शिवसेना (यूबीटी) को अलग कर दिया। उन्होंने दावा किया कि मराठा आरक्षण कार्यकर्ताओं ने आंदोलन का नेतृत्व किया था। उन्होंने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के दौरान मुस्लिम और दलित वोट पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ गए क्योंकि वे संविधान पर विपक्ष के कथन पर विश्वास करते थे। विशेष रूप से, सत्तारूढ़ भाजपा और उसके सहयोगियों ने इस झूठी कहानी को स्वीकार किया था कि अगर भाजपा फिर से सत्ता में आई तो संविधान बदल देगी ने चुनावों में एनडीए की संभावनाओं को प्रभावित किया।

बड़े धूम धाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा आजादी का जश्न

15 अगस्त की शाम हजरतगंज देश भक्ति के तरानों से गूंजेगा

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों के संबंध में जश्न ए आजादी ट्रस्ट की एक महत्वपूर्ण बैठक रायल कैफे में सम्पन्न

लखनऊ। स्वतंत्रता दिवस धूम धाम से मनाने को लेकर तैयारियों के संबंध में जश्न ए आजादी ट्रस्ट की एक महत्वपूर्ण बैठक रायल कैफे में संपन्न हुई।इस बैठक की अध्यक्षता जश्न ए आजादी ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष सुप्रसिद्ध समाजसेवी मुरलीधर आहूजा ने की।कार्यक्रम का संचालन वामिक खान ने किया।इस अवसर परट्रस्ट के अध्यक्ष मुरलीधर आहूजा ने अपने संबोधन में कहा कि जिस तरह से सभी धर्मों के लोग अपने मुख्य त्योहार होली दिवाली,बकरीद, गुरु पर्व, क्रिसमस को मनाते हैं उसी तरह से हम सब लोगो को राष्ट्रीय पर्वों का जश्न भी धूमधाम से मनाना चाहिए।15 अगस्त और 26 जनवरी हमारे राष्ट्रीय पर्व हैं।श्री मुरलीधर ने जश्न ए आजादी ट्रस्ट के कार्यक्रम के बारे में बताया कि कल 9 अगस्त को ट्रस्ट के पदाधिकारियों द्वारा काकोरी काण्ड के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।आज 10 अगस्त को देश की आजादी पर विभिन्न गणमान्य लोगों की मौजूदगी में परिचर्चा हुई।11 अगस्त को योग गुरु केडी मिश्रा ने जनेश्वर मिश्र पार्क योग शिविर मे योग के गुण सिखाएंगे उसके बाद 11रू00 से संस्थापक सदस्य मुर्तजा अली और वरिष्ठ सभासद साकेत भाई के नेतृत्व में शहर में लगी विभिन्न महापुरुषों की मूर्तियां की सफाई कर उस पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी जाएगी।12 अगस्त मुर्तुजा अली और ट्रस्ट की चेयरपर्सन रजिया नवाज की देख रेख में शहर के विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण किया जाएगा।13 अगस्त को शहीद स्मारक पर उत्तर प्रदेश जिला मान्यता प्राप्त पत्रकार की जोर से 77 मोमबत्ती जलाकर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।साथ ही कारगिल पार्क में स्थापित वीर शहीदों की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। 14 अगस्त को कुदरत उल्ला की ओर से रक्तदान शिविर, डाक्टर अवधेश की ओर से इंदिरा नगर और डॉक्टर आदर्श त्रिपाठी की ओर से बालागंज में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा।15 अगस्त को हजरत गंज व्यापार मंडल और जश्न ए आजादी ट्रस्ट के पदाधिकारियों की मौजूदगी में 12रू05 मिनट पर हजरतगंज मल्टी लेवल पार्किंग के बाहर झंडा रोहण किया जाएगा।15 अगस्त को उसी स्थान पर शाम को देश भक्ति के विभिन्न आयोजन करके आजादी का जश्न मनाया जायेगा।इस संबंध में वामिक खान ने बताया कि हजरतगंज मल्टीलेवल पार्क के बाहर आजादी की एक बेहतरीन शाम मनाई जाएगी।जिसमे देश भक्ति के तराने,मुशायरा तथा बच्चो के द्वारा देश भक्ति पर एक भव्य रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।16 अगस्त को सुबह जो झंडे शहर में इधर उधार फैले हुए मिलेंगे उनको इकट्ठा करके सम्मान पूर्वक सुरक्षित रखा जाएगा।बैठक को संबोधित करते हुए ट्रस्ट की महामंत्री निगहत खान ने कहा कि हम सबको आजादी बड़े संघर्षों के बाद मिली है,विरासत में मिली इस कीमती चीज का जश्न हमको धूमधाम से मनाना चाहिए।इस अवसर पर ट्रस्ट के पदाधिकारी मुर्तुजा अली ने कहा कि जब हम लोग अपने धार्मिक कार्यक्रम त्योहारों को अच्छी तरह से मनाते हैं उसी तरह राष्ट्रीय पर्वों को भी सामूहिक रूप से धूमधाम से मनाने के लिए तन मन धन से करना चाहिए।उन्होंने बताया कि वाराणसी और बैंगलोर में भी ट्रस्ट की कोशिश से आजादी का जश्न धूम धाम से मानने की शुरुआत हो चुकी है।बैठक को संबोधित करते हुएपूर्व मंत्री हरपाल सिंह जग्गी ने कहा कि ट्रस्ट द्वारा पिछले 11 वर्षों से ये आयोजन चल रहा है,हमारा पूरा सहयोग कार्यक्रम की सफलता के लिए रहेगा। इस अवसर पर होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ आदर्श त्रिपाठी ने कहा कि इस ट्रस्ट के साथ पिछले बार ही जुड़ा हूं मुझे बहुत खुशी हो रही है कि आजादी के कार्यक्रम में मैं भी सहभागी बन रहा हूं मेरी ओर से एक विशाल मेडिकल कैंप का आयोजन किया जाएगा।जिसमें आने वाले लोगों को निशुल्क परामर्श और दवाइयां वितरित की जाएंगी।

अलायंस क्लब इंटरनेशनल के बैनर तले चिकित्सा शिविर का आयोजन

लखनऊ। अलायंस क्लब इंटरनेशनल के बैनर तले, जो सामाजिक विकास, स्वास्थ्य, व्यक्तिगत विकास, वृक्षारोपण, निराश्रित और वृद्ध लोगों की देखभाल को बढ़ावा देने के लिए वी केयर के मुख्य आदर्श वाक्य के साथ विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में शामिल है, अन्वेषण क्लब, डिस्ट्रिक्ट 102 लखनऊ ने कन्याओं के स्वास्थ्य में सुधार के लिए एक परियोजना में अपने प्रयास समर्पित किए हैं। आयरन की कमी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए 10 अगस्त 2024 को हनुमान प्रसाद रस्तोगी गर्ल्स इंटर कॉलेज, सुभाष मार्ग, लखनऊ में एक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, ताकि युवावस्था और वयसन्धि के समय लड़कियों में कम हीमोग्लोबिन की समस्या का समाधान किया जा सके। इस पद्धति में हीमोग्लोबिन, रक्त समूह और थायराइड के लिए छात्रा का रक्त परीक्षण शामिल था। ऐसे 2 और शिविर होंगे, जो हीमोग्लोबिन के संबंध में कन्या के विकास और पोषण सूचकांक का निरीक्षण करने के लिए 3 महीने के (लगभग) अंतराल पर आयोजित किए जाएंगे। प्रादित्य फाउंडेशन और सुहासिनी ग्रुप, जो समाज के सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित वर्ग की लड़कियों के स्वास्थ्य और शिक्षा में कार्यरत हैं ने इस अभियान में शामिल होकर जरूरत की दवाइयों से सहयोग किया। कार्यक्रम का संचालन अलाय संजीव कुमार भटनागर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर जिला 102 लखनऊ के मार्गदर्शन में अलाय सीमा रस्तोगी, अलाय सीमा भटनागर अलाय बी पी जायसवाल, अलाय सिद्धार्थ श्रीवास्तव एवं अलाय बृजेन्द्र रस्तोगी द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि अलाय प्रियंका दीक्षित एमसीसीउत्तर ने गतिविधियों की – अपर्णा त्रिपाठी . अध्यक्षता की। प्रधानाचार्या डॉ, प्रबंधक कृष्णजीवन रस्तोगी एवं संपूर्ण विद्यालय टीम का सहयोग अत्यंत सराहनीय रहा और इस नवाचार के लिए अलायंस क्लब इंटरनेशनल को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का समापन पौधरोपण से हुआ

सपाइयों ने पूर्व सांसद फूलन देवी की जयंती पर किया नमन

लखनऊ। सामाजिक न्याय के लिए आजीवन संघर्षरत पूर्व सांसद फूलन देवी की जयंती आज समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जनपदों में मनाई गई। समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ की ओर से भी कई आयोजन किए गए। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने फूलन देवी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

अखिलेश यादव ने कहा कि फूलन देवी जी ने अत्याचार और शोषण के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने गरीबों, पिछड़ों, दलितों सहित पीडीए समाज को न्याय दिलाने के लिए जीवनपर्यंत संघर्ष किया। समाजवादी पार्टी से लोकसभा में निर्वाचित होने के बाद उन्होंने संसद में भी गरीबों, पीड़ितों और शोषितों की आवाज बुलन्द की। इस अवसर पर नेता विरोधी दल माता प्रसाद पाण्डेय, राष्ट्रीय महासचिव शिव पाल सिंह यादव, राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, केरल समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष डॉ0 साजी पोथन थॉमस, पूर्व सांसद अरविन्द कुमार सिंह सहित शंखलाल मांझी, रामवृक्ष सिंह यादव, उदयवीर सिंह, परवेज टंकी, परवेज अहमद, डॉ0 विजय यादव, राकेश कुमार सिंह, शकील नदवी, चौधरी अदनान, एसके राय, कालिंदी राजभर, ललिता विश्वकर्मा, ममता शर्मा, मगरूब कुरैशी, के.के श्रीवास्तव, डॉ0 हरिश्चंद्र और राधेश्याम सिंह आदि ने भी श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया।

शिक्षक–अभिभावक संगोष्ठी का हुआ आयोजन

लालगंज,रायबरेली (आरएनएस)। कस्बे के बक्शी मेमोरियल पब्लिक स्कूल लालगंज में सत्र 2024–25 की प्रथम अभिभावक–अध्यापक संगोष्ठी संपन्न हुई।उल्लेखनीय है कि विद्यालय द्वारा निर्धारित प्रथम परीक्षा की कापियों को दिखाने के साथ–साथ अभिभावक विद्यालय की आंतरिक गतिविधियों व शैक्षिक व्यवस्था के प्रति भली–भांति परिचित हो, इसी उद्देश्य से विद्यालय प्रबंधन द्वारा अभिभावक–अध्यापक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रशासनिक सचिव सिद्धार्थ सिंह ने विद्यालय की शैक्षिक व्यवस्था व नीतियों के साथ–साथ अध्यापकों की शैक्षिक निपुणता के बारे मे भी अभिभावकों से विचार विमर्श करते हुए कहा कि अभिभावक भी अपने पाल्यों की दैनिक क्रियाकलापों के प्रति सचेत रहे। तभी बच्चे का चतुर्दिक विकास संभव हो सकता है। श्री सिंह नेअभिभावकों को भरोसा दिलाया कि आपने जिस भरोसे और उद्देश्य की पूर्ति के लिए अपने बच्चों का प्रवेश बीएमपीएस में कराया है विद्यालय सदैव हर कसौटी पर खरा उतरा है और भविष्य में भी इसमें निरंतरता बनी रहेगी। अभिभावकों ने भी विद्यालय के अध्यापकों की शैक्षिक निपुणता और विद्यालय की शैक्षिक नीतियों के प्रति अपनी संतुष्टता व्यक्त की।प्ले ग्रुप से कक्षा–12 तक के अभिभावकों ने अपने पाल्यों की शैक्षिक प्रगति का अवलोकन किया।इस अवसर पर प्ले ग्रुप से कक्षा–12 के अध्यापकों सहित सैकड़ो की संख्या में अभिभावक उपस्थित हुए। यह जानकारी बीएमपीएस के जनसंपर्क अधिकारी यशबहादुर यादव ने दी।

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर भाजपा की हुई बैठकें

लालगंज,रायबरेली (आरएनएस)। जनपद की कार्यशाला के बाद सरेनी विधानसभा के लालगंज, बेनी माधवगंज, गेगासो, सरेनी और डलमऊ मंडल में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक आहूत की गई ।बैठक में प्रत्येक कार्यकर्ता से हर घर तिरंगा योजना अभियान में जुटने और प्रयास करके हर घर में तिरंगा फहराने की योजना पर काम करने का आह्वान किया गया। स्वच्छता अभियान को लेकर भी योजना बनी। लालगंज में बैठक को पूर्व विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह ने संबोधित किया। बेनीमाधव गंज मंडल में तिरंगा अभियान प्रभारी जेपी सिंह ने कार्यकर्ताओं में उत्साह भरते हुए कहा कि हम सबको फिर से बड़े मन से काम करना है और पार्टी को फिर से मजबूत करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा संचालित योजनाओं को घर–घर तक पहुंचाना है। बैठक लेने पहुंचे सरेनी विधानसभा संयोजक सुशील शुक्ला ने हर घर तिरंगा अभियान की रूपरेखा कार्यकर्ताओं के सामने रखी और अभियान को सफल बनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री दिनेशत्रिपाठी, विधानसभा संयोजक सुशील शुक्ला , तिरंगा अभियान के प्रभारी जेपी सिंह, दिवाकर मिश्रा, महेंद्र पटेल, जगन्नाथ पांडे,गोविंद सविता, आनंद रस्तोगी, यतिन सिंह चौहान, सुबोध बाजपेई राजेंद्र विश्वकर्मा,नागेंद्र सिंह ,बाबू शंकर तिवारी, आलोक बबलू तिवारी ,सुनील मिश्रा, राजेश निर्मल, ब्रह्मेंद्र विक्रम सिंह ,जयशंकर वर्मा, खलील अहमद ,उदय नारायण बाजपेई, शीतला सविता, अचिन अवस्थी,शिवबोध सिंह, श्याम दीक्षित, राम शंकर वर्मा,जयशंकर चौधरी, विमल धानुक आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर बच्चों को खिलाई गई एलबेंडाजोल की गोली

सीतापुर(आरएनएस)। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का शुभारंभ शनिवार को सीतापुर के शहरी क्षेत्र सहित मिश्रिख और ऐलिया विकास खंडों में किया गया। मुख्य आयोजन शहर के अग्रवाल पब्लिक इंटर कॉलेज में हुआ। इस मौके पर राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) के नोडल अधिकारी डॉ. राजशेखर ने फीता काटकर अभियान का शुभारंभ किया। इस मौके पर बच्चों को एलबेंडाजोल की गोली खिलाई गई। डॉ. राजशेखर ने बताया कि इन क्षेत्रों में केवल एक से 19 साल तक के बच्चों व किशोर–किशोरियों को केवल एल्बेंडाजोल दवा ही खिलाई जाएगी। उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर एक से 5 साल तक के पंजीकृत सभी बच्चों को, 6 से 19 साल तक के स्कूल न जाने वाले व ईट भट्ठे पर काम करने वाले और घुमंतूर जनजातियों के बच्चों को आंगनबाड़ी कार्यकर्ती द्वारा दवा खिलाई जाएगी। छह से 19 साल तक के स्कूल जाने वाले छात्र छात्राओं को, जिनमें सरकारी, प्राइवेट व अर्ध सकारी स्कूलों, मदरसों के शिक्षक बच्चों को एल्बेंडाजोल गोली खिलाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि 10 अगस्त को दवा खाने से छूटे हुए बच्चों को 14 अगस्त को मॉपअप राउंड चला कर दवा खिलाई जाएगी। हर साल अभियान चलाकर दो बार पेट के कीड़े निकालने की दवा खिलाई जाती है। उन्होंने बताया कि इस बार इस अभियान के तहत सीतापुर शहरी, मिश्रिख और ऐलिया ब्लॉक के जिले के 649 सरकारी और निजी विद्यालयों के अलावा 646 आंगनबाड़ी केंद्रों को शामिल किया गया है। इस अभियान के तहत 3,56,161 बच्चों को एल्बेंडाजॉल की गोली खिलाने का लक्ष्य है। अभियान के तहत 487 आशा कार्यकर्ताओं को लगाया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि एक से दो वर्ष तक के बच्चों को 200 मिग्रा, यानि आधी गोली व दो से 19 वर्ष तक के बच्चों व किशोरों को 400 मिग्रा, यानि पूरी गोली खिलाई जानी है। छोटे बच्चों को गोली पीसकर दी जानी है जबकि बड़े बच्चों को इसे चबाकर खाना है।

ग्रामीणों को मिल सकेगी बेहद सस्ती प्राथमिक स्वास्थ्य सेवायें

प्रदेश में देवी पाटन मंडल के इटियाथोक डिजिटल डाक्टर क्लीनिक का हुआ शुभारंभ

गोण्डा। प्रदेश के ग्रामीणों को बेहद सस्ती प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को उपलब्ध कराने के उद्देष्य से योगी सरकार की पहल के अन्तर्गत तैयार की गयी डिजिटल डॉक्टर क्लीनिक आज यहां इटियाथोक के खरगूपुर में षुरू हो गयी। प्रदेश की इस चौथी क्लीनिक के शुभारम्भ मौके पर क्षेत्रीय विधायक विनय कुमार द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. रश्मि वर्मा, डीडीआरआई केन्द्र सरकार के सेक्रेटरी राम कृष्ण तिवारी और डिजिटल डॉक्टर परियोजना को तैयार करने वाली ओब्डु ग्रुप के प्रमुख संजय कुमार सहित कई प्रमुख लोग मौजूद थे। इस क्लीनिक के शुरू होने से ग्रामीणों को चिकित्सकों के द्वारा ऑनलाईन परामर्श के साथ सभी प्रकार के फीवर प्रोफाइल जैसे डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, लिवर फंक्शन, शुगर पीलिया आदि जरूरी टेस्ट के साथ आवश्कतानुसार अल्ट्रासाउंड की सुविधा उपलब्ध होगी। मौके पर ही तीन से पांच मिनट में टेस्ट रिपोर्ट उपलब्ध होने के आधार पर दवाईयां भी उपलब्ध करायी जायेगी। योगी सरकार की पहल के अन्तर्गत शुरू हुयी इस चौथी डिजिटल डॉक्टर क्लीनिक को धरातल पर लाने वाली ओब्डू ग्रुप के सीईओ संजय कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश की प्रत्येक ग्रामीणों तक बेहतर चिकित्सा व जरूरी टेस्ट की सुविधा उपलब्ध कराने के लिये राज्य के सभी ग्राम पंचायतों में डिजिटल डॉक्टर क्लीनिक स्थापित की जा रही है। जिसके क्रम में चौथे डिजिटल डॉक्टर क्लीनिक की शुरूआत आज यहां की जा रही है। इसके उपरान्त राज्य में चालीस और क्लीनिक खुलने के लिये पूरी तरह तैयार है। श्री संजय कुमार ने बताया कि डिजिटल डॉक्टर क्लीनिक परियोजना में होने वाला निवेश 3350 करोड़ है। पूरा प्रोजेक्ट 10,000 करोड़ का है, जिसमें प्रथम चरण में 3350 करोड़ के एमओयू के साथ किया गया है। यह परियोजना ग्रामीण तथा सुदूर क्षेत्र के स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त करेगी, जिससे झोला छाप डॉक्टरों की लापरवाही से होने वाली मृत्यु दर को काम किया जा सकेगा। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि डिजिटल डॉक्टर क्लीनिक न केवल ग्राम पंचायत तक सीमित रहेगी बल्कि ब्लॉक स्तर पर भी 20 से 50 बेड के अस्पताल बनाकर ग्रामीणों को सरकारी योजनाएं जैसे आयुष्मान भारत योजना का लाभ दिया जाएगा, डिजिटल डॉक्टर क्लीनिक परियोजना न केवल उत्तर प्रदेश की ऐसी पहली योजना है, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ब्लॉकचेन जैसी तकनीकी का इस्तेमाल करके ग्रामीण तथा सुदूर क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त किया जा रहा है। क्लीनिक पर मरीजों की केयर करने के लिए अटेंडेंट भी मौजूद रहेंगे।

ग्राम चौपालों में 03 लाख 80 हजार से अधिक समस्याओं/प्रकरणों का किया गया निस्तारण

अब तक लगभग 92 हजार ग्राम चौपालों का किया गया आयोजन

शुक्रवार को 1504 ग्राम पंचायतों में किया गया, ग्राम चौपालो का आयोजन

लखनऊः उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्रामीणो की समस्यायों के निराकरण हेतु प्रदेश के प्रत्येक विकास खण्ड की दो ग्राम पंचायतों में प्रत्येक शुक्रवार को ग्राम चौपाल, (गांव की समस्या–गांव में समाधान) का आयोजन किया जा रहा है और बहुत बड़ी संख्या में लोगों की समस्यायों का निराकरण उनके गांव में ही हो रहा है। सरकार खुद चलकर गांव व गरीबों के पास जा रही है, ग्राम चौपालों से जहां गांवों में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की जमीनी हकीकत का पता चलता है, वहीं सोशल सेक्टर की योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आ रही है। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के अनुपालन में ठोस व प्रभावी रूपरेखा बनाकर चौपालों का आयोजन किया जा रहा है तथा चौपालों से पूर्व गांवों में सफाई पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है और चौपालों के बारे में अधिक से अधिक प्रचार प्रसार भी किया जा रहा है व्यक्तिगत समस्याओं के अलावा सार्वजनिक समस्याओं का भी समाधान चौपालों में हो रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्राम चौपालों का आयोजन विधिवत किया जाता रहे।ग्राम्य विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को प्रदेश की 1504 ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया, जिनमें 4381 प्रकरणो का निस्तारण गांव पंचायतों में ही कर दिया गया। इन ग्राम चौपालों मे 4146 ब्लाक स्तरीय अधिकारी व कर्मचारी तथा 7513 ग्राम स्तरीय कर्मचारी मौजूद रहे और इन चौपालों में 88 हजार से अधिक ग्रामीणों ने सहभागिता की। ग्राम्य विकास आयुक्त श्री जी एस प्रियदर्शी ने बताया कि जनवरी 23 से अब तक लगभग 92 हजार ग्राम चौपालों का आयोजन किया जा चुका है, जिनमें 66 लाख से अधिक ग्रामीण मौजूद रहे और 3 लाख 80 हजार से अधिक समस्याओंध्प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

बांग्लादेश की राजनीतिक आपदा में सांप्रदायिकता फैलाने का अवसर न ढूंढें योगी जी– शाहनवाज आलम

लखनऊ अल्पसंख्यक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष शाहनवाज आलम ने कहा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बांग्लादेश की राजनीतिक आपदा को सांप्रदायिकता फैलाने के अवसर की तरह देख रहे हैं. उन्हें लग रहा है कि बांग्लादेश के हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की कहानी सुना के वो उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या पर बढ़त बनाकर अपनी कुर्सी बचा लेंगे. उन्होंने योगी सरकार से बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस से सीख लेने की सलाह दी जिन्होंने सत्ता संभालने की पहली शर्त ही अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना बताया है. कांग्रेस मुख्यालय से जारी बयान में शाहनवाज आलम ने कहा कि बांग्लादेश आंतरिक राजनीतिक संकट से गुजर रहा है. पड़ोसी देशों की अस्थिरता न भारत के हित में है और न भारतीय उपमहाद्वीप के हित में है. ऐसे में जिम्मेदार पड़ोसी मुल्क होने के नाते बांग्लादेश में स्थिरता बहाली की कोशिश की जानी चाहिए न की उसका फायदा उठाकर अपने देश में सांप्रदायिक माहौल बनाना चाहिए. उन्होंने हिंदी मीडिया के एक हिस्से द्वारा बांग्लादेश में आर्थिक और रोजगार आधारित कारणों से मची अराजकता को सांप्रदायिक रूप देकर भाजपा के एजेंडा को प्रसारित करने का भी आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि इससे ज्यादा शर्मनाक क्या हो सकता है कि बांग्लादेश के हिंदू नेता भी मोदी सरकार के समर्थक मीडिया समूहों जैसे आर रिपब्लिक पर बांग्लादेश के हिंदू समुदाय पर हमले की झूठी खबरें चलाकर माहौल बिगाड़ने का आरोप लगा रहे हैं.

डीएम–एसपी ने कोतवाली में सुनी लोगों की फरियादें

रायबरेली (आरएनएस)।जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने पुलिस अधीक्षक अभिषेक अग्रवाल के साथ कोतवाली सदर में थाना दिवस के अवसर पर लोगों की फरियाद सुनीं। उनके सामने राजस्व,आपसी रंजिस तथा महिला उत्पीड़न सहित अन्य शिकायते प्राप्त हुई। जिलाधिकारी ने थानाध्यक्ष तथा राजस्व अधिकारियों को थाना दिवस के अवसर पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्धारित समय सीमा में निस्तारित किए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रकरण में जांच आदि की जरूरत हो तो अवश्य करें। समस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए और शिकायतों के निस्तारण पेपर पर ही नहीं बल्कि जमीनी स्तर पर भी किया जाये। उन्होंने कहा कि कोई भी जांच आदि पूरी तरह से निष्पक्ष,निर्भीक,पारदर्शिता व गुणवत्ता के साथ करे। दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही करें तथा निर्दोष के खिलाफ फर्जी कोई कार्यवाही न की जाये। जिलाधिकारी ने राजस्व से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण हेतु राजस्व एवं पुलिस विभाग की टीम बनाकर तथा मौके पर जाकर दोनों पक्षों को सुनते हुए समस्याओं को निस्तारित करने का निर्देश दिये।जिलाधिकारी ने थाना दिवस रजिस्टर और भूमि विवाद रजिस्टर को भी चेक किया। उन्होंने कहा कि रजिस्टर में दर्ज विवादो को जल्द से जल्द निस्तारित किया जाए। इस अवसर पर शहर कोतवाल राजेश सिंह सहित पुलिस व राजस्व के कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीएम एसपी ने सेंचुरियन प्लाईवुड फैक्टरी की जमीन का निरीक्षण

सीतापुर(आरएनएस) । जिलाधिकारी अभिषेक आनंद व पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्र ने सिधौली तहसील के क्षेत्रान्तर्गत मनवा गांव में प्रस्तावित सेंचुरियन प्लाईवुड फैक्टरी के स्थापित किये जाने हेतु जमीन डील में आ रही अड़चनों व भू–स्वामियों में फैलाई गई भ्रांतियों को दूर करने हेतु राजस्व टीम, प्रोजेक्ट प्रतिनिधि के साथ मौके का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षणोपरांत जिलाधिकारी महोदय मनवा प्रथम में स्थिति संविलयन स्कूल में भू–स्वामियों व सेंचुरियन प्लाईवुड फैक्टरी प्रतिनिधि के साथ बैठक कर भू–स्वामियों की विभिन्न समस्याओं की जानकारी ली। इस डील में आ रही विभिन्न अड़चनों की जानकारी लेकर प्रोजेक्ट को साकार रुप दिए जाने हेतु सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की अपील की। जिलाधिकारी इस प्रोजेक्ट की विशेषताओं को गिनाने के साथ ही किसान भाइयों व भू–स्वामियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि इस प्रोजेक्ट के सफल होने से कई लाभ होंगे, जैसे 1500 से 2000 लोगों को रोजगार मिलेंगे। आपकी जमीन पर किराए पर लेकर पेड़ लगाएंगे, जिससे फायदा आपका ही होगा। स्कूल बनाकर जमीन धारक के बच्चों को मुफ्त शिक्षा से आपके बच्चों का भविष्य उज्जवल होगा तथा आपके बच्चे शिक्षित होकर विभिन्न विधाओं में निपुण होकर उच्च पद को प्राप्त करेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि हॉस्पिटल बनेगा, जिससे निःशुल्क इलाज, स्वास्थ, पोषण, कौशल विकसित होगा। सकारात्मक सोच के साथ डील करें, अपना दिल बड़ा करके आगे बढ़े। जब सब लोग तैयार होंगे तभी आगे बढ़ा जा सकता है। स्कीम को फ्लॉप न होने दें, भविष्य में आप सबका ही फायदा होगा। उन्होंने संबंधित को निर्देश दिये कि किसी के द्वारा इस डील में दलाली न होने पाए, यह सुनिश्चित किया जाए। पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्र ने कहा कि ब्रोकर दलाल कोई धमकी देता है तो उस पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। सभी लोग मूल्य जानते हैं, गर्ज समझ कर बार–बार रेट बढ़ाने का प्रयास न करें तथा अपने क्षेत्र के विकास में सभी लोग सहयोग दें। ?

सभी भू–स्वामी प्रोजेक्ट प्रतिनिधि के साथ बैठकर आपसी सहमति से प्रोजेक्ट को साकार रूप देने में सहयोग करें। निरीक्षण के दौरान प्रशिक्षु आई0ए0एस0 नितिन सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व नीतीश कुमार सिंह, उपजिलाधिकारी सिधौली अनिल रस्तोगी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम व सीडीओ ने फाईलेरिया की दवा खाकर किया अभियान की शुरूआत

सुल्तानपुर(आरएनएस)। जनपद से ही नही बल्कि देश से फाईलेरियाध्हांथीपांव बीमारी के समूल नाश के लिए 10अगस्त से 2 सितम्बर तक वृहद स्तर पर अभियान की शुरूआत होगी। इस अभियान में अन्य 8 विभागों को शामिल किया गया है जो घर–घर जाकर फाईलेरिया जैसी घातक बीमारी को जड़ समाप्त करने के लिए दवाएं खिलाएगी। इसकी शुरूआत जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्सना व मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक ने दवा खाकर की, स्वास्थ्य विभाग के मुखिया डॉ.ओम प्रकाश चौधरी, मेडिकल कॉलेज के मुख्य चिकित्साधिक्षक डॉ.एसके गोयल, ब्लड़बैंक प्रभारी डॉ.आरके मिश्रा, जिला मलेरिया अधिकारी बंशीलाल यादव, डॉ.प्रियंका त्रिपाठी, डॉ.ओजस्वी, डिस्ट्रिक्ट कोर्डिनेटर राहुल तिवारी सहित स्वास्थ विभाग अधिकारी व कर्मचारियों ने फाईलेरिया बीमारी की खुराक ली। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.ओम प्रकाश चौधरी ने बताया कि फाईलेरिया की दवा सभी को खाना होगा, तभी हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर पाएगें। उन्होनें कहाकि फाईलेरिया की दवा का किसी भी प्रकार का शरीर पर दुष्प्रभाव नही होगा, वही डीएमओ बंशीलाल यादव ने बताया कि हमने पूरी तैयारी कर ली है, आजसे हमारी टीम शहर व गांव–गांव आपके द्वार पहुंचेगी, आप सभी का फाईलेरिया को समाप्त करने के लिए सहयोग की अवश्यकता है। वही डॉ. प्रियंका त्रिपाठी ने बताया कि विभाग अभियान को सफल बनाने में सरकारी व आमजन मानस का सहयोग ले रहा है। डॉ. प्रियंका त्रिपाठी ने कहाकि स्वास्थ विभाग अभियान में स्वयंसेवी संगठन व गणमान्य लोगों से भी सहयोग की अपील करता है, वही मुख्य चिकित्साधिक्षक डॉ. एसके गोयल ने कहाकि जैसे पोलियो, क्षयरोग व लैप्रोसी के विरूद्ध चलाएं गए अभियान में देश सफलता की यरफ बढ़ रहा है। उसी तरह फाईलेरिया बीमारी भी खत्म करने में सफलता अर्जित होगी, वही ब्लड़बैंक प्रभारी डॉ.आरके मिश्रा ने कहाकि जिस भी अभियान में जन सहयोग मिलता है,उसको सफलता मिलना तय है। अंत में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.ओम प्रकाश चौधरी ने जनपद वासियों से फाईलेरिया के विरूद्ध आज से चलाए जा रहे अभियान को उत्सव की तरह लेने की अपील की है।

देश के वीर सैनिक भाईयों हेतु सी.एम.एस. छात्राओं ने भेजी राखी

लखनऊ, 10 अगस्त। सिटी मोन्टेसरी स्कूल की छात्राओं ने देश की सुरक्षा में तैनात वीर सैनिक भाईयों हेतु बड़े ही स्नेह व गर्व के साथ 15,000 राखियाँ भेजी हैं। सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन, सी.एम.एस. राजेन्द्र नगर प्रथम कैम्पस की प्रधानाचार्या श्रीमती जयश्री कृष्णन एवं सी.एम.एस. चौक कैम्पस की प्रधानाचार्या श्रीमती अदिति शर्मा के नेतृत्व में विद्यालय की 11 छात्राओं ने सी.एम.एस. के सभी 21 कैम्पस की छात्राओं का प्रतिनिधित्व करते हुए मेजर जनरल सलिल सेठ, जनरल ऑफीसर कमाडिंग इन चीफ, मध्य उत्तर प्रदेश सब एरिया, को सीमा पर तैनात जवानों तक पहुँचाने के लिए 15000 राखियाँ भेंट की। इस अवसर पर सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन, प्रधानाचार्या श्रीमती जयश्री कृष्णन व श्रीमती अदिति शर्मा एवं सी.एम.एस. छात्राओं ने उपस्थित सैनिक भाइयों को राखी भी बाँधी। इस अवसर पर सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने कहा कि रक्षाबंधन के इस पावन पर्व पर सी.एम.एस. छात्राओं द्वारा प्रेषित ये राखियाँ देश के वीर जवानों के प्रति किशोर व युवा पीढ़ी का स्नेह व सम्मान है। मुझे प्रसन्नता है कि सी.एम.एस. छात्र–छात्राएं अपने सामाजिक कार्यो व दायित्वों के प्रति काफी सजग व संकल्पित हैं।सी.एम.एस. छात्राओं ने कहा कि देश की सुरक्षा में अपने घरों से दूर रह रहे वीर जवानों के लिए राखियां भेज कर हम स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रही हैं। छात्राओं का कहना था कि आज अगर हम सब देशवासी अपने को सुरक्षित महसूस कर पाते हैं तो वह सिर्फ और सिर्फ सैनिक भाइयों की बहादुरी की वजह से है। हम इन सैनिक भाइयों से अपनी रक्षा की उम्मीद करते हैं, साथ ही उनकी दीर्घायु की कामना भी करते हैं।

कुमारगंज वित उपकेंद्र अंतर्गत खंडासा फीडर का मामला

कुमारगंज–अयोध्या(आरएनएस)। वित केंद्र कुमारगंज अंतर्गत खंडासा फीडर से जुड़े दर्जनों गांवों के हजारों वित उपभोक्ताओं को बीते सप्ताह भर से वित आपूर्ति नहीं मिल पा रही है। जिसको लेकर उपभोक्ताओं का गुस्सा फूटा और दर्जनों की संख्या में वित उपकेंद्र पहुंचकर प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री को संबोधित सात सूत्रीय मांगों का एक ज्ञापन उपखंड अधिकारी कुमारगंज को सौंपा। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुमारगंज वित उपकेंद्र से खंडासा फीडर सहित आठ फीडर संचालित है। जिनमें से उक्त फीडर पर अव्यवस्था इस कदर हाबी हो गई है कि वित उपभोक्ताओं को भीण बरसात और उमश भरी गर्मी के बीच रात के अंधेरे में जीवन निर्वाह करना पड़ रहा है। केरोसिन तेल भी ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। जिसके चलते उनके ार शाम होते ही अंधेरा फैल जाता है। उधर फीडर पर तैनात संविदा लाइनमैनों की लापरवाही के चलते लाइन पर फॉल्ट लगातार बना रहता है जिसके चलते वित आपूर्ति बाधित हो जाती है। इस समस्या को लेकर शनिवार को फीडर से संबंधित कई गांव के वित उपभोक्ता उप केंद्र पहुंचे और उन्होंने उपकेंद्र पर जमकर हंगामा काटा तथा अपनी मांगों की आवाज के समर्थन में नारेबाजी की। वित उपभोक्ताओं ने सात सूत्रीय मांगों का संयुक्त हस्ताक्षरित प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन भी उपखंड अधिकारी मनोज कुमार मौर्य को सौंपा। उपभोक्ताओं के प्रदर्शन की जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन के भी हाथ पांव फूल गए और आधा दर्जन सिपाही सहित उपनिरीक्षकों को उपकेंद्र पर तैनात कर दिया। उपखंड अधिकारी श्री मौर्य ने नाराज एवं परेशान वित उपभोक्ताओं को शांत करते हुए उन्हें निर्बाध वित आपूर्ति प्रदान कराए जाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि मेरे द्वारा उक्त फीडर पर स्वयं अपनी निगरानी में लाइन की पेट्रोलिंग कराई जाएगी तथा ज्ञापन में जो भी समस्याएं उल्लेखित की गई हैं, वह पूरी तरह से जायज हैं। जो गंभीर समस्याएं हैं उनके निराकरण के लिए मेरे द्वारा विभागीय उच्चाधिकारियों से वार्ता की जाएगी और निर्धारित रोस्टर के मुताबिक वित आपूर्ति प्रदान कराई जाएगी।

छात्रों की सुरक्षा व सुविधा हेतु सी.एम.एस. में ड्राइवरों के लिए वर्कशाप का आयोजन

लखनऊ, 10 अगस्त। सिटी मोन्टेसरी स्कूल द्वारा आर.टी.ओ. लखनऊ के सहयोग से छात्रों की सुरक्षा व सुविधा हेतु ड्राइवरों के लिए कार्यशाला का आयोजन आज सी.एम.एस. कानपुर रोड कैम्पस में किया गया। इस वर्कशाप में सी.एम.एस. के सभी 21 कैम्पस के ड्राइवरों को बस अथवा वैन में बच्चों को स्कूल लाने व वापस घर ले जाते समय आवश्यक सावधानियों से अवगत कराया गया। कार्यशाला का आयोजन 'अवेयरनेस प्रोग्राम ऑफ स्कूल चिल्ड्रेन्स ट्रान्सपोर्ट सेफ्टी' विषय पर किया गया, जिसमें रीजनल इन्सपेक्टर, ट्रान्सपोर्ट, श्री विष्णु कुमार ने स्कूली बच्चों की सुरक्षा हेतु ड्राइवरों को जरूरी सावधानियों व दिशा–निर्देशों से विस्तार से अवगत कराया। इस कार्यशाला में सी.एम.एस. के लगभग 100 ड्राइवरों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला में ड्राइवरों का बच्चों के प्रति व्यवहार, गाड़ी के मेन्टीनेन्स की महत्ता, ओवर स्पीडिंग, मानसून के मौसम में सावधानी, फर्स्ट एड बाक्स की उपलब्धता, छोटे बच्चों एवं बालिकाओं को गाड़ी में चढ़ाने व उतारने की सावधानियाँ, मोबाइल के इस्तेमाल एवं पानमसाला खाने जैसे विषयों पर विस्तार से गंभीर चर्चा हुई, साथ ही ड्राइवरों को आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किये गये। कार्यशाला की खास बात रही कि इस अवसर पर पोश (प्रिवेन्शन ऑफ सेक्सुअल हैरसमेन्ट) एवं पास्को एक्ट के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यशाला के अन्त में, सी.एम.एस. के ट्रान्सपोर्ट विभाग की हेड श्रीमती शुचि गुप्ता ने रीजनल इन्सपेक्टर, ट्रान्सपोर्ट, श्री विष्णु कुमार को हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि सी.एम.एस. अपने छात्रों की सुरक्षा हेतु सदैव जागरूक व सचेत है। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला सभी ड्राइवरों के के लिए बेहद उपयोगी साबित हुई है।

बच्चों को अल्बांडाजोड दवा खिलाकर अभियान का शुभारम्भ सीएमओ डा. संजय जैन नें किया

अयोया(आरएनएस)। शनिवार को राट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के दिन मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संजय जैन द्वारा प्राथमिक विलय,त्रि टोला पुलिस लाइन कैंपस , अयोध्या में बच्चो को अल्बांडाजोल दवा खिलाकर अभियान का प्रारंभ किया। आज अयोध्या जिले में 1 र्वा से 19 र्वा आयु तक के सभी बच्चों एवम युवाओं का यह दवा खिलाई जाएगी। इस प्राथमिक विलय में 58 बच्चो को अल्बाडाजोल दवा खिलाई गई साथ ही आंगनबाड़ी से 8 बच्चों को अल्बेंडाजोल की दवा खिलाई गई। इस दवा खिलाते समय इस बात का ध्यान रखना है कि किसी बच्चे एवम युवा को यह दवा खाली पेट नही खिलानी है , हर छह माह के बाद यह दवा खिलाई जाती है। पूर्व में यह दवा फरवरी 2024 माह में खिलाई गई थी। माह अगस्त हेतु कुल 1313085 बच्चो को दवा खिलाने का लक्ष्य है जिस हेतु पर्याप्त मात्रा में दवा उपलब्ध करा दी गई है जनपद में कल 2022 सरकारी ध मान्यता प्राप्त स्कूलध्कॉलेज है, 916 प्राइवेट स्कूल एवं 2381 आंगनबाड़ी केंद्र है जिन पर आज दवा खिलाई जा रही है यदि किसी भी कारण से कोई बच्चा आज दवा खाने से छूट जाता है तो उसे इन्ही केंद्रो पर 14 अगस्त 2024 को यह दवा खिलाई जाएगी। कार्यक्रम में अर्बन नोडल डॉ. वी.पी. त्रिपाठी, डीएचई आईओ डी पी सिंह, सीडीपीओ नगर मीनाक्षी पांडे, डीसी पीएम अमित कुमार, प्राथमिक विलय की अध्यापिका गीता वर्मा, शिक्षा मित्र शिल्पी, अनुराग यादव अर्बन मॉनिटर, डीईआईसी मैनेजर, आरकेएसके कंसल्टेंट, अर्बन हेल्थ कोऑर्डिनेटर, एविडेंस एक्शन कोऑर्डिनेटर, आंगनवाड़ी,आशा एवं एनयूएचएम स्टाफ उपस्थित था।

शिक्षा मित्र प्रतिभा सिंह नगर अध्यक्ष व पुष्पा नगर मंत्री चुनी गयी

सुल्तानपुर(आरएनएस)। नगर क्षेत्र के शिक्षामित्रो की एक बैठक प्रदेश उपाध्यक्ष धीरेंद्र त्रिपाठी व अखिलेश तिवारी जिला वरिष्ठ सलाहकार के नेतृत्व मे पर्यावरण पार्क मे सम्पन्न हुई। बैठक मे सर्व सम्मति से नगर की तेजतर्रार व मिलनसार शिक्षामित्र प्रतिभा सिंह को नगर अध्यक्ष व मृदुभाषी पुष्पा को नगर महामन्त्री चुना गया। प्रतिभा सिंह व पुष्पा ने नगरक्षेत्र के शिक्षामित्रो को 12 अगस्त 2024 को बीएसए कार्यालय सुलतानपुर मे भारी से भारी संख्या मे पहुँचने का आह्वान किया है। बैठक मे बन्दना तिवारी, राम कुमारी गुप्ता, सुमन श्रीवास्तव, शाहीन फातिमा,सुभा सिंह, आरती आनन्द, रीना सिंह, राज कुमार, शाह आलम, इफकार

अहमद, दयावती, अन्जू रावत, सीमा श्रीवास्तव, प्राची श्रीवास्तव, बिन्दू श्रीवास्तव,उमा भार्गव, अनीता यादव, किरन तिवारी, आशा देवी, भानुमती, स्मृति श्रीवास्तव, प्रणिता मिश्रा, रेखा कुमारी, नीरज, हुमैरा तस्नीम आदि मौजूद रहे। उक्त चुनाव पर आदर्श शिक्षामित्र एशोसिएशन के जिलाध्यक्ष दिनेश चन्द्रा, संरक्षक के.सी.मिश्र, वरिष्ठ सलाहकार अखिलेश तिवारी, भारतयादव, हरिओम भट्ट, महामंत्री प्रदीप यादव, किरन वर्मा, रीना उपाध्याय, पूनम मिश्रा आदि लोगो ने बधाई दी है।

सपूतों के बलिदान को भुलाया नही जा सकता - प्रो. प्रज्ञा मिश्रा

अयोध्या(आरएनएस)। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविलय के इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग में शनिवार को काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वीं र्वागांठ के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन हुआ। व्याख्यान को संबोधित करते हुए राजा मोहन बालिका महाविलय, मनूचा अध्योध्या की प्रो. प्रज्ञा मिश्रा ने कहा कि देश के महान सपूतों के बलिदान को भुलाया नही जा सकता। हिन्दुस्तान रिपब्लिक एसोसिएशन के बैनर तले 10 लोगों ने काकोरी में चलती ट्रेन को रोक कर सरकारी खजाना लूट लिया था। इस लूट के विद्ध तत्कालीन न्यायालय में रोशन लाल, राम प्रसाद विस्मिल, अशफाक उल्ला और राजेन्द्र लाहिड़ी को फांसी की सजा दी गई। वहीं चन्द्रशेखर आजाद के साथ चार अन्य लोगों को फरार ाित कर दिया गया। उन्होंने विर्थियों को बताया कि काकोरी ाटना ने देश में एक नये प्रकार का आन्दोलन का प्लेटफार्म तैयार किया और आगे चलकर क्रांतिकारी आन्दोलन चलता रहा। जिसका परिणाम रहा कि हमारा देश 15 अगस्त, 1947 में आजाद हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते डॉ. राजेश कुमार सिंह ने कहा कि देश को आजादी दिलाने वाले नायकों को याद करने का दिन है। काकोरी की ाटना ने आजादी दिलाने में एक आन्दोलन का प लिया। जिसकी परिणति है कि आज हम स्वतंत्र देश में है। कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अवध नरायण ने किया। इस अवसर पर विभागीय शिक्षक डॉ. दिवाकर त्रिपाठी एवं छात्र–छात्राएं मौजूद रही।

कार्तिकेय करेंगे उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व

सुलतानपुर(आरएनएस)। सीआईएससी रीजनल्स स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता जोकि ग्रेटर नोएडा सेंट जीसस एंड मैरी कॉन्वेंट स्कूल में दिनांक 6 अगस्त 2024 से 10 अगस्त 2024 तक आयोजित की गई जिसमें सुल्तानपुर की तरफ से गुरचरण कौर पब्लिक स्कूल के कार्तिकेय अग्रहरि लखनऊ जोन का प्रतिनिधित्व करते हुए 17 वर्षीय 45 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक एवं कशिश हमीद खान 17 वर्षीय बालिका ओवर 68 किलोग्राम भार वर्ग में प्रतिभाग करते हुए रजत पदक अर्जित किया। जिला ताइक्वांडो संघ सुल्तानपुर सचिव प्रणय चंद्र शुक्ल ने बताया कि स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले कार्तिकेय अग्रहरि का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए हुआ है। जोकि आगामी 6 से 10 सितंबर 2024 को पांडिचेरी में प्रस्तावित है। स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले कार्तिकेय अग्रहरि उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। खिलाड़ियों की उपलब्धि पर विद्यालय प्रधानाचार्य तेजिंदर कौर, प्रबंधक जगजीत सिंह छंगू सुल्तानपुर ताइक्वांडो संघ अध्यक्ष एडवोकेट राजेंद्र प्रताप दुबे ने बधाई एवं आशीर्वाद दिया।

अयोध्या विद्यापीठ में आयोजित जनसभा में सीएम योगी पहुंचे

अयोध्या(आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि विगत 7 साल में अयोध्या को नई पहचान मिली है। ये पहचान आसानी से नहीं, बल्कि लंबे र्सां के बाद मिली है और इसे बचाए रखने का दायित्व भी अयोध्यावासियों का होना चाहिए। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए अयोध्यावासियों से कहा कि नकारात्मक शक्तियों के मन में आपके प्रति सम्मान नहीं बल्कि दिखावटीपन है। कहा कि जिन्हें अत्याचार में भी वोट बैंक दिखाई देता है, वो आपके हितैी कैसे हो सकते हैं। सीएम योगी शनिवार को मिल्कीपुर में अयोध्या विपीठ परिसर में श्रीराम दरबार और अशर्फी भवन अयोध्या धाम के पूज्य आचार्यों की दिव्य एवं भव्य प्रतिमा के स्थापना कार्यक्रम के दौरान जनसभा को संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री ने कहा कि परिस्थितियां सम हों या विम, कोई हमें हमारे मूल्यों से डिगा नहीं सकता। उन्होंने बांग्लादेश के हालात पर बोलते हुए कहा कि वहां प्रताड़ित होने वाले 90 प्रतिशत हिन्दू दलित समाज का हिस्सा हैं, मगर वहां के हिन्दू यहां के वोट बैंक नहीं हैं तो सभी के मुंह सिले हुए हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बांग्लादेश के हिन्दुओं की रक्षा करना हमारा दायित्व है। सीएम योगी ने कहा कि बांग्लादेश में हिन्दू होना गलती नहीं है, बल्कि सौभाग्य है और उनकी रक्षा करना और पीड़ा के वक्त उसके साथ खड़ा होना हमारा दायित्व है। मानवता के नाते उसकी रक्षा करना हमारा दायित्व है। ये काम हम हमेशा करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जो नकारात्मक ताकते हैं, जो राम, कृण को नहीं मानते, भारतीयता के प्रति सम्मान का भाव नहीं रखते, जो दुनिया के किसी कोने में कोई हिन्दू प्रताणित हो रहा है तो उसके लिए आवाज नहीं उठा सकते, क्योंकि उन्हें डर लगता है कि इससे यहां का उनका वोट बैंक न खिसक जाए। जिनको दुनिया के अंदर होने वाले अत्याचार में वोट बैंक दिखाई देता है, वो आपके हितैी कैसे हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि राक्षसी वृत्तियां जब भी प्रबल हों, उनका मुकाबला करने के लिए हमें तैयार होना होगा। सीएम योगी ने कहा कि हमारी आजादी सुरक्षित होगी, तभी हमारा भविय भी सुरक्षित होगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें अपने हित और अहित को पहचानना होगा, देखना होगा कि हमें कहां और कैसे सुरक्षा मिलेगी, कौन हमारे हितैी हैं, कौन विरोधी हैं। समय रहते इसका विचार करना होगा, वरना आने वाली पीध्यां हमें कोसेगी। सीएम योगी ने काकोरी ट्रेन एक्शन के शताब्दी महोत्सव का जिक्र करते हुए पं रामप्रसाद बिस्मिल, राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी, ठाकुर रोशन सिंह, अशफाकउल्लाह खां और चंद्रशेखर आजाद के देशप्रेम को नमन किया। मुख्यमंत्री ने सभी से आगामी 13 से 15 अगस्त तक हर ार तिरंगा फहराने, तिरंगा यात्राएं निकालने का आह्वान किया।मुख्यमंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें अयोध्या धाम की पावन धरा पर श्रीराम दरबार के पवित्र विग्रहों और पूज्य संतों की प्रतिमाओं की स्थापना का गौरव प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि अपने धर्माचरण से भारत भूमि को पवित्र करके श्रीराम जन्मभूमि के आंदोलन को अपने हाथों में लेने वाले पूज्य स्वामी मधुसूदनाचार्य जी महाराज, जगद्गुरु रामानुजाचार्य माधवाचार्य की दिव्य प्रतिमाओं की स्थापना का कार्य हुआ है। उन्होंने कहा कि इन पूज्य संतों की साधना को मूर्त प देने के लिए न केवल आज अयोध्या विपीठ के प में धर्म जागरण के बृहद कार्यक्रम को अपने हाथ में लिया गया है, साथ ही आधुनिक शिक्षा देने का कार्य भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब संतों की साधना मूर्त प लेती है तो ऐसे संस्थान हम सबको देखने को मिलते हैं। मधुसूदना जी महाराज ने अयोध्या धाम के साथ साथ पूरे देश के अलग अलग क्षेत्र को अभिसिंचित करने का कार्य किया। रामानुजाचार्य पूज्य स्वामी माधवाचार्य जी महाराज का कार्यकाल भले ही अल्प रहा हो, लेकिन अपनी साधना के साथ उन्होंने लोगों के जीवन को बदलने का कार्य किया। सीएम योगी ने अयोध्या विपीठ के माध्यम से कोरोना जैसी महामारी के वक्त किये गये लोक कल्याणकारी कार्यों को याद किया।

साकेत महविलय में स्पोर्ट्स कांपलेक्स का शुभारंभ

अयोया(आरएनएस)। का.सु. साकेत स्नातकोत्तर महाविलय में शनिवार को स्पोर्ट्स कंपलेक्स का शुभारंभ मुख्यअतिथि अयोया महापौर गिरीशपति त्रिपाठी ने नारियल फोड़कर तथा रिबन काटकर किया। मुख्य अतिथि ने खेल के विकास पर जोर देते हुए कहा की खेल की संस्कृति को अपनाया जाए तथा खेल को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल किया जाए तभी खेल की उन्नति होगी।समारोह के विशिट अतिथि प्रबंध समिति के अध्यक्ष दीप कृण वर्मा ने आशा व्यक्त की कि स्पोर्ट्स कंपलेक्स बन जाने से महाविलय के खिलाड़ी उत्कृट स्तर पर प्रदर्शन कर सकेंगे तथा प्राचार्य को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। महाविलय के प्राचार्य प्रो. अभय कुमार सिंह द्वारा माननीय मुख्य अतिथि एवं अन्य विशिट अतिथियों का स्वागत किया गया।

अखण्ड भारत का सिंध प्रदेश भारत का सिरमौर – लल्लू सिंह

-सिंधी शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ आयोजन

अयोया(आरएनएस)। केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय के नियंत्रणाधीन स्वायत्तशासी संस्था राट्रीय सिंधी भाा विकास परिद के मार्गदर्शन में प्रदेश भर के सिंधी शिक्षकों को सिंधी भाा के प्रसार हेतु " सिंधी शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला" के तीन दिवसीय प्रशिक्षण के आयोजन का पूज्य ूलेलाल सांई के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ पूर्व सांसद लल्लू सिंह ,विशिट अतिथि राट्रीय सिंधी भाा विकास परिद, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य प्रतिनिधि विश्व प्रकाश "पन"ने किया। आयोजक संस्था के अध्यक्ष सुमित माखेजा ने अतिथियों का शब्द सम्मान के साथ शाल "पाखर" पहना कर स्वागत किया।इस अवसर पर पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने कहा के अखण्ड भारत का सिंध प्रदेश भारत का सिरमौर है। विभाजन देश की आत्मा पर गहरा आात है। भारी दुख पीड़ा सहकर अथक परिश्रम करके सिंधी भी हिंदुओं ने धर्म परिवर्तन न कर सनातन धर्म व संस्कृति की रक्षा की। हम उनका हृदय से सम्मान करते हैं। भाा के प्रसार में राट्रीय सिंधी भाा विकास परिद के निदेशक की लगन व मेहनत पर भूरि भूरि प्रशंसा करते भाा के विकास में अपने स्तर से हर संभव प्रयास हेतु आश्वस्त किया।केंद्र सरकार की इस संस्था के सदस्य प्रतिनिधि विश्व प्रकाश पन ने कहा कि भारत को सबसे अधिक गर्व का अवसर देने का काम सिंधु सभ्यता व सिंध प्रदेश ने दिया है, जिसे भारत को खण्डित करने का कुचक्र रचने वाले देश के भीतर छिपे भारत के दुश्मनों ने विभाजन कराकर व भूभाग अखण्ड भारत से काट दिया पर वो भारत को प्यार करने नागरिकों के मन में बसे अखण्ड भारत के विचार को विभाजन नहीं कर पाये क्योंकि सिंधी भाा व संस्कृति को हम सब ने हृदय में बसाये रखा।उ प्र सिंधी अकादमी के पूर्व उपाध्यक्ष व सिंधु सेवा समिति के अध्यक्ष अमृत राजपाल ने अयोध्या के सिंधी परिवारों से आह्वान किया कि सभी सिंधी भाा से अवश्य ही शिक्षा ग्रहण करें। उन्होंने डा राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविलय के सिंधी अध्ययन केन्द्र के सलाहकार सरल ज्ञाप्रटे, सिंधु एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष सुमित माखेजा व राट्रीय सिंधी भाा विकास परिद के उत्तर प्रदेश से एक मात्र प्रतिनिधि विश्व प्रकाश पन द्वारा भाा के प्रसार में दिये जा रहे अमूल्य योगदान की मुक्त कंठ से प्रशंसा भी की। भाा के प्रसार में किये जा रहे एसे कार्यक्रम हेतु राट्रीय सिंधी भाा विकास परिद के उपाध्यक्ष डा मोहन मांनानी, निदेशक प्रो डा रवि प्रकाश टेकचंदानी के साथ सभी योजनाकार सदस्य प्रतिनिधि मनी देवनानी,डा अशोक मूलचंदानी,उमा जगतियानी,डा वंदना खुशालानी,भगतराम छाबड़ा, कविता आसनानी, डा कन्हैया लाल खटवानी,सीए तुलसी राम टेकवानी की प्रशंसा भी हुई।

सपाईयों ने मनाई पूर्व सांसद फूलनदेवी की जयंती

अयोध्या(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी कार्यालय लोहिया भवन गुलाब बाड़ी पर वीरांगना पूर्व सांसद फूलन देवी की जयंती मनाई गई पार्टी के नेताओं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण करके उनको श्रद्धा सुमन अर्पित किया इस अवसर पर सपा जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव ने कहा कि हमारे नेता पूर्व मुख्यमंत्री धरतीपुत्र मुलायम सिंह यादव ने जेल से फूलन देवी को अपने शासनकाल में सारे मुकदमे वापस लेकर जेल से छुड़वाया हमारे नेता ने हमेशा गरीब मजदूर दलित किसान नौजवान अल्पसंख्यक सभी के प्रति समान भाव से काम करते हैं श्री यादव ने कहा वीरांगना फूलन देवी को देश की सबसे बड़ी पंचायत में भेजने का भी काम किया पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने कहा की वीरांगना फूलन देवी हमेशा जुल्म ज्यादती के खिलाफ सर्ां किया उन्होंने कभी भी अन्याय अत्याचार को सहन नहीं किया श्री पांडे ने कहा कि समाजवादी पार्टी ही ऐसी पार्टी है जो सभी का सम्मान करती है। श्री पांडे ने कहा कि हम लोग वीरांगना फूलन देवी से अन्याय अत्याचार के खिलाफ सर्ां करने का संकल्प लेना चाहिए श्री पांडे ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा सर्व समाज का सम्मान करती है और सभी के कल्याण का काम करते हैं ।

संपादकीय

आम जन को न्याय पाने में ज्यादा हलकान होना पड़ता है

भारत के प्रधानमंत्री जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने दोटूक कहा है कि लोग अदालतों से इतने तंगय आ गए हैं कि वे बस समझौता चाहते हैं। वे कहते हैं कि बस, अदालत से दूर करा दीजिए। जस्टिस चंद्रचूड़ विशेष लोक अदालत सप्ताह के दौरान शनिवार को एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्र के रूप में लोक अदालतों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि लोगों में इस प्रकार की भावना उभरना बतौर जज हम लोगों के लिए गहन चिंता का विषय है। बेशक, लोगों का अदालती मामलों से त्रस्त होकर छुटकारा पाने उत्कट इच्छा न्याय व्यवस्था के लिए कोई अच्छी बात नहीं है।

इससे संदेश यह निकलता है कि व्यवस्था लोगों की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पा रही है। और इसलिए उन्हें मजबूरी में मामलों में समझौता करने की राह चुनना बेहतर लगता है। समझौता कोई न्याय नहीं है, बल्कि मजबूरी में किया गया उपाय है, जो समाज में पहले से मौजूद असमानताओं को ही दर्शाता है। जैसा कि प्रधान न्यायाधीश ने भी इंगित किया है कि यह स्थिति अपने आप में सजा है। लोक अदालत की अवधारणा इस स्थिति से निजात दिलाती हैं जहां आपसी समझौते और सहमति से मामलों को सुलटाया जाता है और कोई भी अपने आप को मजबूर या न्याय से वंचित हुआ नहीं पाता। लोक अदालत से मामले का निस्तारण होने पर फैसले के खिलाफ अपील नहीं की जा सकती। सबसे अच्छी बात यह है कि फैसला परस्पर सहमति के आधार पर किया जाता है। कहना न होगा कि तमाम मामले ऐसे होते हैं, जिन्हें आपसी सहमति से सुलझाया सकता है।

सबसे बड़ा तो यह कि लोक अदालत के माध्यम से न्याय दिया जाना अदालतों पर मुकदमों के भार को कम करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण उपक्रम है। यहां फैसला किसी भी रूप में थोपा हुआ करार नहीं दिया जा सकता। इसलिए जरूरी है कि लोक अदालत की अवधारणा को संस्था के रूप मजबूत किया जाए। न्याय की पहुंच आम नागरिकों तक सुनिश्चित करने की बात हमारे संविधान में निहित है, लेकिन नौबत यह है कि आम जन न्याय पाने की बजाय हलकान ज्यादा हो जाता है।

यह स्थिति लोकतांत्रिक समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकती। जिस समाज में आम जन को न्याय पाने में हलकान होना पड़ जाए उसे किसी भी सूरत में अभीष्ट या आदर्श समाज नहीं कहा जा सकता। लोक अदालत सार्थक हैं क्योंकि इनका उद्देश्य ही लोगों के घरों तक न्याय पहुंचाना है।

सबका साथ-सबका विकास की जमीनी हकीकत

अजय दीक्षित

2014 में प्रधानमंत्री के रूप में मोदीजी ने पदभार संभालते ही सबका साथ–सबका विकास का नारा दिया और पूरी लगन से इस पर अमल भी किया और आज भी किया जा रहा है । कालांतर में इसमें सब का विश्वास और सब का प्रयास भी जोड़ दिया गया । परन्तु तेजी से अन्य पार्टियों के लोग भाजपा में शामिल हो रहे हैं और स्वयं भाजपा के कुछ प्रवक्ता इसमें पलीता लगा रहे हैं, उसे चिंता बढ़ रही है । इसी कारण पिछले दिनों मोदी जी ने न केवल भाजपा के अपितु सहयोगी दलों को सभी प्रवक्ताओं का बायोडाटा मांगा है ताकि स्क्रीनिंग की जा सके । यह जरूरी भी है क्योंकि अनेक प्रवक्ता पार्टी लाइन के बाहर या भड़काऊ या विपदा पैदा करने वाले बयान दे देते हैं । कई बार अन्य राजनैतिक दलों के नेताओं का नाम लेकर भी उनका मजाक उड़ाया जाता है । मोदीजी का नया नारा है पार्टी से बढ़कर देश वे कहते हैं हमें 2047 में भारत को विश्व का सिरमौर बनाना होगा । उनके अनुसार पार्टियों का संघर्ष 2024 के चुनाव के बाद खत्म हो गया, अब हमें पार्टी लाइन से ऊपर उठकर देश के बारे में सोचना है । भारत में छरू ग्रुप अल्पसंख्यक माने जाते हैं –– सिख, जैन, ईसाई, पारसी, मुसलमान और बौद्ध ।

इस समय केन्द्रीय मंत्रिमंडल में रवनीत सिंह व हरदीप पुरी सिख हैं । रामदास आठवले बौद्ध हैं । मंत्रिमंडल में ईसाई और जैन भी हैं । अब कोई पारसी मंत्रिमंडल में नहीं हैं । स्मृति ईरानी अमेठी से हारने के बाद अब उन्हें मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली है । वैसे वे पारसी इस कारण हैं कि उन्होंने एक पारसी से शादी की है । परन्तु मंत्रिमंडल में कोई भी मुसलमान मंत्री नहीं है । असल में भाजपा का कोई भी सांसद मुसलमान नहीं हैं । यूं सहयोगी पार्टियों के कई सांसद मुसलमान हैं ।

असल में जमीनी स्तर पर कोई भेदभाव नहीं होता है । झुग्गी झोपड़ी वालों को फ्री घर मिलने में मुसलमान भी शामिल हैं । मुस्लिम महिलाओं को भी फ्री गैस सिलेण्डर मिला है । किसी भी सरकारी स्कीम में कोई भेदभाव नहीं है ।

परन्तु जब कांवड़ यात्रा के दौरान मस्जिदों और मजारों को ढंकने की बात आती है या मुसलमानों द्वारा हिन्दू देवी–देवताओं के नाम पर दुकानध्होटल चलाने में आपत्ति होती है तो चिंता स्वाभाविक है । देश में ऐसा कोई कानून नहीं है कि कोई भी मुसलमान हिन्दू नाम नहीं रख सकता अपनी दुकान का । बात शुद्धता है । अनेक मुसलमानों ने कांवडियों के लिए शिविर लगाये हैं । वे उन पर पुष्प वर्षा करते हैं । उग्र हिन्दुत्व से देश का भला नहीं होने वाला है ।

आजकल संबित पात्रा का नाम सुनाई नहीं पड़ता । वे 2019 के लोकसभा चुनाव में पुरी (उड़ीसा) से हार गये थे । परन्तु 2024 में वे पुरी से जीत कर अब सांसद हैं । इसका एक बड़ा कारण यह है कि कांग्रेस की महिला उम्मीदवार ने अपना नाम वापिस ले लिया था । शायद संबित पात्रा उड़ीसा के मुख्यमंत्री बनना चाहते हों । उन्हें केन्द्रीय मंत्रिमंडल में भी जगह नहीं मिली है । जो भी हो वे एक कुशल ई.एन.टी. सर्जन हैं । शायद फिर से प्रैक्टिस शुरू करें । असल में पार्टी लाइन की रक्षा के लिए सभी प्रवक्ताओं की स्क्रीनिंग बहुत जरूरी हैं । उनके लिए गाइड लाइन निर्धारित होनी चाहिए और अन्य पार्टियों के नेताओं पर अनर्गल भी नहीं बोलना चाहिए । पक्ष और विपक्ष में शत्रुता नहीं है । यह विचारधारा का अंतर है और प्रजातंत्र में वैचारिक मतभेद शुभ लक्षण है ।

भारत में आर्थिक प्रगति हेतु सनातन संस्कृति के संस्कारों को जीवित रखना ही होगा

लोकतंत्र में तो सत्ता की स्थापना समाज के द्वारा ही की जाती रही है। साथ ही, किसी भी देश की आर्थिक प्रगति के लिए देश में शांति बनाए रखना सबसे पहली आवश्यकता मानी जाती है और देश में शांति स्थापित करने के लिए भी समाज का विशेष योगदान रहता आया है।किसी भी देश में सत्ता का व्यवहार उस देश के समाज की इच्छा के अनुरूप ही होने के प्रयास होते रहे हैं। जब जब सत्ता द्वारा समाज की इच्छा के विपरीत निर्णय लिए गए हैं अथवा समाज के विचारों का आदर सत्ता द्वारा नहीं किया गया है तब तब उस देश में सत्ता परिवर्तन होता हुआ दिखाई दिया है। लोकतंत्र में तो सत्ता की स्थापना समाज के द्वारा ही की जाती रही है। साथ ही, किसी भी देश की आर्थिक प्रगति के लिए देश में शांति बनाए रखना सबसे पहली आवश्यकता मानी जाती है और देश में शांति स्थापित करने के लिए भी समाज का विशेष योगदान रहता आया है। समाज में विभिन्न मत पंथ मानने वाले नागरिक ही यदि आपस में सामंजस्य स्थापित नहीं कर पाएंगे तो देश में शांति किस प्रकार स्थापित की जा सकेगी। भारत के नागरिकों में आज "स्व" के भाव के प्रति जागृति दिखाई देने लगी है और वे "भारत के हित सर्वोपरि हैं" की चर्चा करने लगे हैं। परंतु, भारत में तंत्र अभी भी मां भारती के प्रति समर्पित भाव से कार्य करता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है, जिससे कभी कभी असामाजिक तत्व अपने भारत विरोधी एजेंडा पर कार्य करते हुए दिखाई दे जाते हैं और भारत के विभिन्न समाजों में अशांति फैलाने में सफल हो जाते हैं। अतः समाज के विभिन्न वर्गों के बीच यह जागरूकता फैलाने की आज महती आवश्यकता है कि भारत आज आर्थिक प्रगति के जिस मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है ऐसे समय में देश में शांति स्थापित करने की भरपूर आवश्यकता है। क्योंकि, देश में यदि शांति नहीं रह पाती है तो विदेशी संस्थान भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयों को स्थापित करने के प्रति हत्तोत्साहित होंगे और देश की आर्थिक प्रगति विपरीत रूप से प्रभावित होगी। भारत पिछले लगभग 2000 वर्षों के खंडकाल में से अधिकतम समय (लगभग 250 वर्षों के खंडकाल को छोड़कर) पूरे विश्व में एक आर्थिक ताकत के रूप में अपना स्थान बनाने में सफल रहा है और इसे सोने की चिड़िया कहा जाता रहा है। वर्ष 712 ईसवी में भारत पर हुए आक्रांताओं के आक्रमण के बाद भी भारत की आर्थिक प्रगति पर कोई बहुत फर्क नहीं पड़ा था। परंतु, वर्ष 1750 ईसवी में अंग्रेजों (ईस्ट इंडिया कम्पनी के रूप में) के भारत में आने के बाद से भारत की आर्थिक प्रगति को जैसे ग्रहण ही लग गया था। आक्रांताओं एवं अंग्रेजों ने न केवल भारत को जमकर लूटा बल्कि भारत की संस्कृति पर भी बहुत गहरी चोट की थी और भारत के नागरिक जैसे अपनी जड़ों से कटकर रहने लगे थे। आक्रांताओं एवं अंग्रेजों के पूर्व भी भारत पर आक्रमण हुए थे, शक, हूण, कुषाण आदि ने भी भारत पर आक्रमण किया था परंतु लगभग 250ध्300 वर्षों तक भारत पर शासन करने के उपरांत उन्होंने अपने आपको भारतीय सनातन संस्कृति में ही समाहित कर लिया था। इसके ठीक विपरीत आक्रांताओं एवं अंग्रेजों का भारत पर आक्रमण का उद्देश्य भारत की लूट खसोट करने के साथ ही अपने धर्म एवं संस्कृति का प्रचार प्रसार करना भी था। आक्रांताओं ने जोर जबरदस्ती एवं मार काट मचाकर भारत के मूल नागरिकों का धर्म परिवर्तन कर मुसलमान बनाया तो अंग्रेजों ने लालच का सहारा लेकर एवं दबाव बनाकर भारतीय नागरिकों को ईसाई बनाया। इन्होंने भारतीय नागरिकों के मन में सनातन हिंदू संस्कृति के प्रति घृणा पैदा की एवं अपनी पश्चिमी सभ्यता से ओतप्रोत संस्कृति को बेहतर बताया। अंग्रेज भारतीय नागरिकों के मन में ऐसा भाव पैदा करने में सफल रहे कि पश्चिम से चला कोई भी विचार भारतीय सनातन संस्कृति के विचार से बेहतर है। जबकि आज इस बात के पर्याप्त प्रमाण मिल रहे हैं कि पश्चिम द्वारा किए गए लगभग समस्त आविष्कारों के मूल में भारतीय सनातन संस्कृति की ही छाप दिखाई देती है और उन्होंने यह विचार भारतीय वेद, पुराण एवं उपनिषदों से ही लिए गए प्रतीत होते हैं।कुछ विदेशी ताकतों द्वारा भारत में आज एक बार पुनः इस प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं कि हिंदू सनातन संस्कृति को मानने वाले हिंदू समाज को किस प्रकार आपस में लड़ाकर छिन्न भिन्न किया जाय। आज भारत में एक ऐसा विमर्श खड़ा करने का प्रयास हो रहा हैं कि देश में हिंदू हैं ही नहीं बल्कि सिक्ख हैं, दलित हैं, राजपूत हैं, जैन हैं आदि आदि। देश में जातियों के आधार पर जनसंख्या की मांग की जा रही है ताकि देश में प्रदान की जाने वाली समस्त सुविधाओं को हिंदू समाज की विभिन्न जातियों की जनसंख्या के आधार पर वितरित किया जा सके। जिससे अंततः देश में विभिन्न जातियों के बीच झगड़े पैदा हों और इस प्रकार भारत को एक बार पुनः गुलाम बनाए जाने में आसानी हो सके। विदेशी ताकतों द्वारा आज भारत के एकात्म समाज को टूटा फूटा समाज बनाए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्राचीन भारत में वनवासी थे, ग्रामवासी थे, नगरवासी थे, इस प्रकार त्रिस्तरीय समाज था। भारतीय समाज विभिन्न जातियों में बंटा हुआ था ही नहीं। यह अंग्रेजों का षड्यंत्र था कि भारत में उन्होंने समाज को बांटो और राज करो की नीति अपनाई थी। अन्यथा हिंदू समाज तो भारत में सदैव से एकात्म भाव से रहता आया है। किसी भी देश में क्रांति सत्ता से नहीं आती है बल्कि समाज द्वारा ही क्रांति की जाती है। जिस प्रकार का समाज होगा उसी प्रकार की सत्ता भी देश में स्थापित होगी। अतः किसी भी देश को विकास की राह पर जाने से रोकने के लिए उस देश की संस्कृति को ही समाप्त कर दो। ऐसा प्रयास आज पुनः विदेशी ताकतों द्वारा भारत में किया जा रहा है। परंतु, अब एक बार पुनः भारत एक ऐसे खंडकाल में प्रवेश करता हुआ दिखाई दे रहा है जिसमें आगे आने वाले समय में विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में भारत की तूती पूरे विश्व में बोलती हुई दिखाई देगी। ऐसे में कुछ देशों द्वारा भारत की आर्थिक प्रगति को विपरीत रूप से प्रभावित करने के लिए कई प्रकार की बाधाएं खड़ी किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। परंतु, देश में निवासरत लगभग 80 प्रतिशत आबादी हिंदू सनातन संस्कृति की अनुयायी है एवं हिंदू समाज में व्याप्त लगभग समस्त जातियों, मत, पंथों को मानने वाले नागरिकों में त्याग, तपस्या, देश प्रेम का भाव, स्व–समर्पण का भाव कूट कूट कर भरा है। इसी कारण से यह कहा भी जाता है कि केवल हिंदू जीवन दर्शन ही आज पूरे विश्व में शांति स्थापित करने में मददगार बन सकता है। भारतीय जीवन प्रणाली अपने आप में सर्व समावेशक है। हिंदू सनातन धर्म का अनुपालन करने वाले नागरिक पशु, पक्षी, वनस्पति, पहाड़, नदियों आदि में भी ईश तत्त्व का वास मानते हैं और उनकी पूजा भी करते हैं। हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों में पला बढ़ा नागरिक अपने विचारों में सहिष्णु होता है तथा सभी जीवों में प्रभु का वास देखता है इसलिए वह हिंसा में बिल्कुल विश्वास नहीं करता है। इसी के चलते यह कहा जा रहा है कि विश्व के कई देशों में लगातार बढ़ रही हिंसा को नियंत्रित करने में हिंदू सनातन संस्कृति के अनुयायी ही सहायक हो सकते हैं। और फिर, हिंदू जीवन दर्शन का अंतिम ध्येय तो मोक्ष को प्राप्त करना है। इस अंतिम लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से भी हिंदू सनातन संस्कृति के अनुयायी कोई भी काम आत्मविचार, मनन एवं चिंतन करने के उपरांत ही करता है। इस प्रकार, इनसे किसी भी जीव को दुखाने वाला कोई गल्त काम हो ही नहीं सकता है। विश्व के कई देशों के बीच आज आपस में कई प्रकार की समस्याएं व्याप्त हैं, जिनके चलते वे आपस में लड़ रहे हैं एवं अपने नागरिकों को खो रहे हैं। यूक्रेन – रूस के बीच युद्ध एवं हमास – इजराईल के बीच युद्ध आज इस बात का प्रत्यक्ष उदाहरण है। बांग्लादेश में अशांति व्याप्त हो गई है। इसी प्रकार ब्रिटेन, फ्रान्स, जर्मनी, अमेरिका जैसे शांतिप्रिय देश भी आज विभिन्न प्रकार की समस्याओं से ग्रसित होते दिखाई दे रहे हैं। इसलिए, शांति स्थापित करने एवं आर्थिक विकास को गतिशील बनाए रखने के उद्देश्य से आज हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों को आज पूरे विश्व में फैलाने की महती आवश्यकता है।

लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा सभापति से सीधे क्यों भिड़ने लग गया है विपक्ष?

वर्तमान लोकसभा में एक बात यह अच्छी नजर आ रही है कि सरकार के साथ–साथ विपक्ष भी खूब सक्रिय नजर आ रहा है। पिछली दो लोकसभा में चूंकि औपचारिक रूप से कोई नेता प्रतिपक्ष ही नहीं था इसलिए विपक्ष प्रभावी भूमिका में नहीं दिख रहा था।संसद का मॉनसून सत्र इस बात के लिए खासतौर पर याद किया जायेगा कि इस दौरान कई बार ऐसा देखने को मिला कि लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला और राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ से विपक्षी सदस्यों ने जानबूझकर उलझने का प्रयास किया। दोनों सदनों के सभापतियों पर विपक्ष ने तमाम तरह के आक्षेप लगाने के लिए कई तरह के हथकंडे अपनाये। संभवतः ऐसा इसलिए किया गया ताकि आसन की निष्पक्षता को संदेह के कठघरे में खड़ा किया जा सके। खास बात यह है कि विपक्षी सदस्यों ने सदन की सदस्यता की शपथ लेते समय संविधान की प्रति हाथ में ले रखी थी लेकिन उसी संविधान के नियमों से बनी सदन के संचालन की नियम पुस्तिका में लिखे निर्देशों का पालन करने में वह कोताही बरतते हैं। ताजा मामला समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन का है जिन्होंने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को नाहक ही विवाद में घसीटा कर गलत परम्परा कायम की।

आज का राशिफल

मेष राशि–

आज का दिन आपके लिए उत्तम रूप से फलदायक रहने वाला है। आज आपको व्यापार में अच्छा मुनाफा मिलने से आपकी प्रसन्नता का ठिकाना नहीं रहेगा और जीवन साथी के साथ आप डिनर डेट पर जा सकते हैं।

वृष राशि–

आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आप मन में चल रही है बातों को किसी के सामने उजागर नहीं होने देंगे, नहीं तो लोग इसका फायदा उठा सकते हैं।

मिथुन राशि–

आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपको किसी नए काम में हाथ आजमाने का मौका मिलेगा। परिवार के लोग आज आपसे कुछखास चीजों की डिमांड कर सकते हैं। आज जीवनसाथी को आप डिनर डेट पर लेकर जा सकते हैं।

कर्क राशि–

आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई पर पूरा फोकस करना होगा। आप अपने से ज्यादा औरों के कामों पर ध्यान लगाएंगे तो आपको समस्या होगी लेकिन आप समय रहते इस को संभाल लेंगे।

सिंह राशि–

आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आप माता की पसंद की कोई चीज गिफ्ट करेंगे आपके माता जी को भी खुशी होगी।

कन्या राशि–

आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपके बिजनेस की गति धीमी रहने के कारण आप परेशान रहेंगे। माता–पिता से आप मन में चल रही कुछ बातों को लेकर बातचीत कर सकते हैं। छोटे बच्चों के लिए आप कोई उपहार लेकर आ सकते हैं।

तुला राशि–

आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। अपने कामों को बहुत सावधानी और कुशलता से करेंगे। संतान की ओर से कोई चिंता दूर होगी। आज की गई मेहनत के निकट भविष्य में बेहतरीन परिणाम मिलने वाले हैं। आपका कोई काम समय से पूरा ना होने के कारण आपको थोड़ी समस्या होगी।

वृश्चिक राशि–

आज का दिन आपके लिए खास रहने वाला है। आज किसी नए काम की शुरुआत करने के लिए अच्छा रहने वाला है। किसी कानूनी मामले में भी आज आपको जीत मिलने के योग बन रहे है,

धनु राशि–

आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। संतान की नौकरी से संबंधित किसी समस्या को लेकर आप भागदौड़ में लगे रहेंगे। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से आपको गिले–शिकवे दूर करने का मौका मिलेगा। कार्य क्षेत्र में आज आपको मनपसंद काम मिलने से आप प्रसन्न रहेंगे।

मकर राशि–

आज आपके दिन की शुरुआत थोड़ा कमजोर रहेगी, लेकिन बाद में अच्छा लाभ मिलने से उनकी प्रसन्नता का ठिकाना नहीं रहेगा। आपका किसी नए वाहन को खरीदने का सपना आज पूरा होगा। आपको अपनी छवि और अधिक बेहतर बनाने का मौका भी मिलेगा। किसी समस्या का समाधान मिलने में किसी प्रिय मित्र का विशेष सहयोग रहेगा।

कुंभ राशि–

आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज का दिन तरक्की के नए नये मार्ग खोलेगा। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पर पूरा फोकस बनाए रखें, जल्द ही आपको परीक्षा में सफलता हासिल होगी। आज कोई लक्ष्य हासिल करने में किसी अनुभवी व्यक्ति का भी सहयोग मिलेगा।

मीन राशि–

आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। आज आप व्यापार के मामले में किसी पर आंख मूंदकर भरोसा ना करें, नहीं तो वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। किसी शुभ समाचार के मिलने का योग नजर आ रहा है। आज आपकी मेहनत और सूझबूझ से आपकी उम्मीदें तथा आशाएं पूरी होगी। मनपसंद कामों में दिलचस्पी रहेगी। आनंद महसूस होगा। यदि आपने पहले किसी को धन उधार दिया था, तो आपको उस धन के वापस मिलने की उम्मीद है।

चारधाम बरसात में सुरक्षित नहीं

सुरेश भाई

इस बार जितनी देर से बारिश शुरू हुई है। उतनी ही जल्दी आपदा आ गई है। जुलाई के अंतिम सप्ताह से चारधाम की सड़कें ध्वस्त होने लगी है। आवागमन के पैदल रास्ते भी नदी में समा रहे हैं। जहां–जहां मनुष्य के कदम पड़ रहे हैं वहां धरती इतनी संवेदनशील बन गई कि अब उसे कोई नहीं बचा सकता है। ध्यान रहे कि चारधाम बरसात में सुरक्षित नहीं है। सुरक्षा के नाम पर जितनी भी घोषणाएं करें वह मौसम के सामने बौनी पड़ रही है। यहां हर साल आपदा की भवावहता बढ़ती ही जा रही है। केदारनाथ आपदा की तरह ही मंदाकिनी नदी में इस बार फिर से जल पल्रय जैसा रूप लोगों ने देखा है। स्थिति इतनी विकराल बन गई कि 2 अगस्त तक केदारनाथ पैदल मार्ग पर फंसे लगभग 4000 यात्रियों को रेस्क्यू किया गया, जिसमें से लगभग 700 यात्रियों को हेली सेवा से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है।

मंदाकिनी नदी में जल स्तर बढ़ने से पैदल मार्ग पर रामवाड़ा में दो पुल और भीम बली में 25 मीटर रास्ता क्षतिग्रस्त होकर बह गया था, जहां से केदारनाथ जाने वाले यात्रियों को मुश्किल से बचाया जा सका है। पैदल मार्ग पर फंसे यात्रियों के लिए भोजन और पानी की व्यवस्था राज्य सरकार ने की है। यदि पहले मौसम के अलर्ट की सूचना पर ऋषिकेश में ही यात्रियों को जाने से रोक देते तो समय और खर्च दोनों भी रोका जा सकता था। उत्तराखंड और हिमाचल में अब तक 22 लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें से 16 लोग उत्तराखंड में मलबे में दबकर मरे हैं। हिमाचल में 6 लोगों की मौत हो गई है और लगभग 53 लोग लापता बताए जा रहे हैं।अब तक वहां पर 300 करोड़ से अधिक के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।2023 की आपदा में भी हिमाचल में 10,000 करोड़ का नुकसान हुआ था और लगभग 500 लोग मारे गए थे। इस बार अभी तक यहां दो पावर प्रोजेक्ट ध्वस्त हो गए हैं, जिसके कारण दर्जनों लोग लापता है। आपदा की यह जानलेवा घटना कुल्लू, मंडी और रामपुर में अधिक हुई है। हिमाचल की 445 सड़कें यातायात के लिए ठप पड़ी है। जिसको खोलने के लिए राज्य सरकार युद्ध स्तर पर काम कर रही है। सूत्रों का कहना है कि हिमाचल प्रदेश में बाहर से आने वाले पर्यटकों ने आपदा की स्थिति को देखकर अपनी बुकिंग कैंसिल की है, जिसके कारण पर्यटन कारोबार पिछले वर्ष की तरह प्रभावित हो गया है। कुल्लू–शिमला की सीमा पर समेज खड में आई बाढ़ में लगभग 36 से ज्यादा मकान बह गए हैं।यहां 6 बच्चों समेत 36 लोग भी लापता हैं। 7 घंटे में सामान्य से 305 मिलीमीटर ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। लगभग 7 पुल बह गए हैं। सतलुज और ब्यास नदियों का जलस्तर खतरे के करीब पहुंचने लगा है। यहां पर श्रीखंड महादेव मार्ग पर करीब 250 लोग फंसे रहे। चिंता की बात यह है कि हिमाचल प्रदेश में जल विद्युत परियोजनाएं सबसे अधिक विनाश का कारण बन रही हैं। 2013 की केदारनाथ आपदा के समय भी 24 जल विद्युत परियोजनाओं ने मंदाकिनी और अलकनंदा घाटी का जन–जीवन बुरी तरह प्रभावित किया था, जिसमें हजारों लोग मारे गए थे। इसकी पुनरावृत्ति फिर से देखी जा रही है।जिला टिहरी गढ़वाल में बालगंगा और धर्मगंगा पर 26–27 जुलाई की भीषण बाढ़ ने जो विनाश लीला सामने लाई हैय उसने केदारनाथ आपदा की याद ताजा की है। यहां पर तीर्थ यात्रियों के लिए प्रसिद्ध बूढ़ा केदारनाथ का मंदिर भी है, जिसके दोनों तरफ ये नदी बहती है। यहां 20 किमी के क्षेत्र में नदी तटों पर निर्माण कायरे से एकत्रित मलवे के बहने से पैदा हुए भीषण जल पल्रय से हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि नष्ट हुई है। लोगों के होटल, मकान, गौशालाएं नदी में समा गए।

यहां पर बड़े बांध के विकल्प के रूप में 50 किलोवाट की एक छोटी पण बिजली बनाई गई थी, जो पूरी तरह मलबे में दब गई है। इससे आगे भी तीन मेगावाट की एक लघु जल विद्युत भी ध्वस्त हो गई हैं। क्षेत्र के एक दर्जन पुल जर्जर हो चुके हैं। तिनगढ़ गांव के परिवारों के घरों में मलवा जमा हुआ है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बाढ़ पीड़ितों से मिल रहे हैं और राहत और पुनर्वास का आासन दे रहे हैं, लेकिन इन नदियों के दोनों तरफ लोग पूर्व में आपदा से प्रभावित हुए श्रीनगर, उत्तरकाशी और केदारनाथ की तर्ज पर पुनर्निर्माण की मांग कर रहे हैं क्योंकि यहां हालात बहुत चिंताजनक हैं।

भारी बारिश के चलते डरे हुए माहौल में लोग रात गुजार रहे हैं, लेकिन इस क्षेत्र के पुनर्निर्माण के लिए जिस तरह की न्यूनतम राशि की घोषणाएं अब तक हुई है उसके कारण लोगों में रोष भी है। उत्तरकाशी में भागीरथी और यमुना नदी के उम में भी भीषण बाढ़ के दृश्य सामने आए हैं, लेकिन बाढ़ नियंत्रण के उपायों पर गंभीरतापूर्ण विचार नहीं हो रहा है। हिमालय की भौगोलिक संरचना की अनदेखी करके विकास के तरीके विनाश के रास्ते पर ले जा रही हैं। हर साल जल पल्रय की निरंतर घटनाओं में बह रही मिट्टी, पानी, पत्थर, पेड़, लोग आदि की चिंता बरसात पूरा होने पर समाप्त हो जाती है। इसके बाद धरती तोड़ विकास अनवरत चलता रहता है। फिर पुनरावृत्ति होती है जो भोगवादी विलासिता पूर्ण विकास का परिणाम है।

बांग्लादेश के चीफ जस्टिस ने दिया इस्तीफा, जानें कौन हैं ओबेदुल हसन जो शेख हसीना के बाद प्रदर्शनाकिरयों के निशाने पर आ गए

नवगठित अंतरिम सरकार से परामर्श किए बिना मुख्य न्यायाधीश द्वारा बुलाई गई एक पूर्ण–अदालत बैठक के कारण विरोध प्रदर्शन भड़क उठे। मुख्य न्यायाधीश ओबेदुल हसन ने उस बैठक को स्थगित करने की घोषणा की है जहां उन्हें यह निर्णय लेना था कि मौजूदा परिस्थितियों और अन्य मुद्दों पर अदालत कैसे काम कर सकती है।बांग्लादेश में हिंसक अशांति के कुछ दिनों बाद पूर्व प्रधान मंत्री शेख हसीना को इस्तीफा देने और देश से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिसके बाद ताजा विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए, क्योंकि छात्र सुप्रीम कोर्ट के सामने एकत्र हुए और मुख्य न्यायाधीश के इस्तीफे की मांग की। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के नेताओं ने न्यायपालिका के तख्तापलट की आशंका के कारण उच्च न्यायालय की घेराबंदी की घोषणा की है। नवगठित अंतरिम सरकार से परामर्श किए बिना मुख्य न्यायाधीश द्वारा बुलाई गई एक पूर्ण–अदालत बैठक के कारण विरोध प्रदर्शन भड़क उठे। मुख्य न्यायाधीश ओबेदुल हसन ने उस बैठक को स्थगित करने की घोषणा की है जहां उन्हें यह निर्णय लेना था कि मौजूदा परिस्थितियों और अन्य मुद्दों पर अदालत कैसे काम कर सकती है। यह पूरा प्रकरण नवगठित अंतरिम सरकार से परामर्श किए बिना मुख्य न्यायाधीश द्वारा बुलाई गई एक पूर्ण–अदालत बैठक से शुरू हुआ। आंदोलनकारियों ने आरोप लगाया कि अदालत के न्यायविद् एक साजिश का हिस्सा हैं जिससे आक्रोश फैल गया और जवाबदेही की मांग की गई। तनाव और बढ़ने के बाद, निर्धारित पूर्ण–अदालत बैठक अचानक रद्द कर दी गई। कौन हैं ओबेदुल हसन? ओबेदुल हसन को पिछले साल नियुक्त किया गया था और उन्हें अपदस्थ प्रधान मंत्री शेख हसीना के वफादार के रूप में देखा जा रहा है। 11 जनवरी 1959 को जन्मे ओबेदुल हसन एक न्यायविद् हैं, जिन्होंने बांग्लादेश के सर्वोच्च न्यायालय के 24वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया और उन्होंने बांग्लादेश चुनाव आयोग के गठन के लिए जांच समिति के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। उनके पिता अखलाकुल हुसैन अहमद, पूर्वी पाकिस्तान प्रांतीय विधानसभा के सदस्य थे, और उनकी माँ बेगम होस्ने आरा हुसैन थीं। उन्होंने ढाका विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रम पूरा किया और फिर ढाका विश्वविद्यालय से कानून की डिग्री पूरी की। महीने भर चले विरोध प्रदर्शन, उस व्यापक अशांति का हिस्सा है जिसके कारण हसीना को जाना पड़ा, जिसके कारण दर्जनों पुलिस अधिकारियों सहित 450 से अधिक लोगों की मौत हो गई।

बांग्लादेश पर रूस ने ऐसा क्या ऐलान किया, भारत को भी हो गई टेंशन!

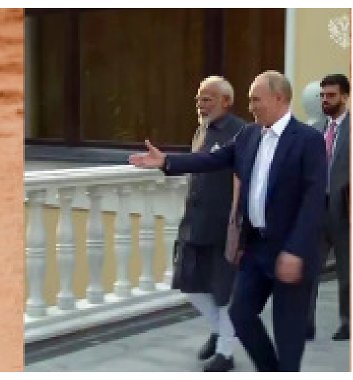

पीएम मोदी ने तो खतरनाक शक्तियों का पूरी ताकत के साथ मुकाबला किया। हालांकि ये बात सच है कि पीएम मोदी को थोड़ा नुकसान जरूर हुआ। चुनाव नतीजे तो सभी को पता है। दरअसल, रूस ने आठ महीने पहले ही बांग्लादेश में तख्तापलट की भविष्यवाणी कर दी थी।रूस ने बांग्लादेश पर ऐसा खुलासा किया जिसने पूरी दुनिया में हड़कंप मचा दिया है। रूस ने पहले ही बता दिया था कि बांग्लादेश में तख्ता पलट होने वाला है। हैरानी की बात ये है कि रूस ने इसी तरह की चेतावनी भारत को भी दी थी। शेख हसीना तो समय रहते खतरा भांप नहीं पाई। लेकिन पीएम मोदी ने तो खतरनाक शक्तियों का पूरी ताकत के साथ मुकाबला किया। हालांकि ये बात सच है कि पीएम मोदी को थोड़ा नुकसान जरूर हुआ। चुनाव नतीजे तो सभी को पता है। दरअसल, रूस ने आठ महीने पहले ही बांग्लादेश में तख्तापलट की भविष्यवाणी कर दी थी। रूस ने बांग्लादेश पर आठ महीने पहले क्या कहा था रूस ने संयुक्त राज्य अमेरिका पर 7 जनवरी के चुनावों के बाद बांग्लादेश में स्थिति को अस्थिर करने के लिए कई घटनाओं की योजना बनाने का आरोप लगाया था। रूसी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एमयी जखारोवा ने एक बयान में कहा था कि अगर लोगों की इच्छा के परिणाम संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए संतोषजनक नहीं हैं, तो अरब स्प्रिंग की तर्ज पर बांग्लादेश में स्थिति को और अस्थिर करने का प्रयास किया जा सकता है। अरब स्प्रिंग या पहला अरब स्प्रिंग सरकार विरोधी विरोध प्रदर्शनों, विद्रोहों और सशस्त्र विद्रोहों की एक श्रृंखला थी जो 2010 की शुरुआत में अरब दुनिया के अधिकांश हिस्सों में फैल गई थी। इसकी शुरुआत भ्रष्टाचार और आर्थिक स्थिरता के जवाब में ट्यूनीशिया में हुई। ऐसे में उस वक्त अगर शेख हसीना रूस की चेतावनी पर ध्यान दे देती तो शायद आज बच जाती। भारत को लेकर भी किया था आगाह रूस ने भारत को लेकर भी कुछ ऐसी ही चेतावनी दी थी। रूस ने कहा था कि अमेरिका भारत के चुनावों को प्रभावित कर रहा है। अमेरिका, जॉर्ज सोरोस गैंग और वामपंथी इकोसिस्टम पीएम मोदी को हटाने की तैयारी में है लेकिन पीएम मोदी समय रहते ही खतरा भांप गए। पीएम मोदी बाल बाल बच गए। नहीं तो बांग्लादेश जैसा हाल भारत में भी हो सकता

Israel के खिलाफ साथ आए रूस–पाकिस्तान–400 से लेकर शाहीन–3 तक से लैस होगा ईरान ?

इजरायली प्रकाशन और जेरूसलम पोस्ट ग्रुप के सदस्य ने अपनी रिपोर्ट में अरब स्रोतों का हवाला देते हुए कहा कि पाकिस्तान ने इजरायल के साथ युद्ध छिड़ने पर ईरान को मिसाइलों की आपूर्ति करने की योजना बनाई है।12 अगस्त को एक रूसी परिवहन विमान को तेहरान अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते देखा गया था। विचाराधीन विमान गेलिक्स एयरलाइंस द्वारा संचालित एक आईएल–76टीडी था, जिसे मॉस्को द्वारा एक नागरिक वाहक की आड़ में सैन्य डिलीवरी के लिए इस्तेमाल करने के लिए जाना जाता है। रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि इसी विमान के जरिए ईरान को रूस की तरफ से एस 400 की डिलवरी की गई है। एस–400 दुनिया का सबसे एडवांस एंटी–एयर डिफेंस सिस्टम है। वहीं इस बात की भी खबर है कि पाकिस्तान अपनी सबसे ताकतवर न्यूक्लियर बैलिस्टिक मिसाइल शाहीन–3 ईरान को देने की योजना बना रहा है। इजरायली प्रकाशन और जेरूसलम पोस्ट ग्रुप के सदस्य ने अपनी रिपोर्ट में अरब स्रोतों का हवाला देते हुए कहा कि पाकिस्तान ने इजरायल के साथ युद्ध छिड़ने पर ईरान को मिसाइलों की आपूर्ति करने की योजना बनाई है। कथित तौर पर सऊदी अरब में ईरान और पाकिस्तान के अनुरोध पर इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के विदेश मंत्रियों की एक आपातकालीन बैठक के दौरान इस पर चर्चा की गई थी। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान और पाकिस्तान के बीच पहले भी तनावपूर्ण संबंध रहे हैं, लेकिन अप्रैल में ईरान के राष्ट्रपति के पाकिस्तान दौरे के बाद से कथित तौर पर सुधार हुआ है। तब से राष्ट्रों ने कहा है कि वे व्यापार संबंधों और क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा दे रहे हैं। शाहीन–3 पाकिस्तान की सबसे खतरनाक मिसाइल है। 19.3 मीटर लंबी इस मिसाइल की रेंज 2750 ख है। अमेरिकी प्रशासन ने यह भी संकेत दिया था कि वह क्षेत्र से आने वाली ऐसी रिपोर्टों से अवगत था। व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव कैरिन जीन–पियरे ने कहा कि हम इजराइल के प्रति अपने समर्थन में बहुत स्पष्ट हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि उनके पास अपनी रक्षा के लिए जो कुछ भी आवश्यक है वह मौजूद है। हालांकि पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने पोस्ट की उन रिपोर्टों का खंडन किया है कि पाकिस्तान ईरान को शाहीन–3 मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें प्रदान करने की योजना बना रहा है।

सुप्रीमकोर्ट के सभी जज एक साथ देंगे इस्तीफा, पूरी न्याय व्यवस्था चरमराई

मुख्य न्यायाधीश ने मीडिया को बताया कि उन्होंने देश भर में शीर्ष अदालत और निचली अदालतों के न्यायाधीशों की सुरक्षा को देखते हुए पद छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि वह शनिवार शाम तक अपना इस्तीफा राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को भेज देंगे। प्रदर्शनकारियों द्वारा शनिवार को सुप्रीम कोर्ट को घेरने और उन्हें एक घंटे के भीतर पद छोड़ने का अल्टीमेटम देने के बाद बांग्लादेश के मुख्य न्यायाधीश ओबैदुल हसन ने अपने पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी थी कि अगर वे इस्तीफा देने में विफल रहे तो वे शीर्ष अदालत के न्यायाधीशों और मुख्य न्यायाधीश के आवासों पर धावा बोल देंगे। मुख्य न्यायाधीश ने मीडिया को बताया कि उन्होंने देश भर में शीर्ष अदालत और निचली अदालतों के न्यायाधीशों की सुरक्षा को देखते हुए पद छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि वह शनिवार शाम तक अपना इस्तीफा राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को भेज देंगे। ताजा विरोध प्रदर्शन तब शुरू हुआ जब यह खबर सामने आई कि मुख्य न्यायाधीश ने पूर्ण–अदालत की बैठक बुलाई है। छात्रों और वकीलों सहित सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने सुप्रीम कोर्ट की ओर मार्च किया और उसके परिसर पर कब्जा कर लिया। सुप्रीम कोर्ट की सुरक्षा के लिए सेना के जवानों को भी तैनात किया गया था। एक प्रदर्शनकारी अब्दुल मुकद्दिम ने दावा किया कि मुख्य न्यायाधीश द्वारा अंतरिम सरकार को अवैध घोषित करने की साजिश रची जा रही है। फासीवादी अंतरिम सरकार को अवैध घोषित करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय और मुख्य न्यायाधीश का उपयोग करने की कोशिश कर रहे हैं। इसीलिए हम मुख्य न्यायाधीश को इस्तीफा देने के लिए मजबूर करने के लिए सुप्रीम कोर्ट परिसर में आए। अंतरिम सरकार के खेल मंत्रालय के सलाहकार आसिफ महमूद ने भी मुख्य न्यायाधीश ओबैदुल हसन से बिना शर्त इस्तीफे और पूर्ण अदालत की बैठक को रद्द करने की मांग की। रिपोर्ट में कहा गया है कि तनाव के बीच मुख्य न्यायाधीश ने न्यायाधीशों की बैठक स्थगित कर दी। 1971 के युद्ध के दिग्गजों के परिवार के सदस्यों के लिए 30 प्रतिशत तक सरकारी नौकरियों को आरक्षित करने वाली विवादास्पद कोटा प्रणाली पर छात्रों द्वारा विरोध शुरू करने के बाद पड़ोसी देश में अराजकता फैल गई।

चीन से मोहभंग के बाद भारत से रिश्ते सुधारने में लगा मालदीव, यूपीआई को लेकर कौन सी डील साइन कर दी ?

जयशंकर की मालदीव के समकक्ष मूसा जमीर के साथ बैठक समाप्त होने के बाद भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम और मालदीव के आर्थिक विकास और व्यापार मंत्रालय के बीच डिजिटल भुगतान प्रणाली पर समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।भारत और मालदीव ने हिंद महासागर द्वीपसमूह में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) शुरू करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि इसका पर्यटन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जयशंकर की मालदीव के समकक्ष मूसा जमीर के साथ बैठक समाप्त होने के बाद भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम और मालदीव के आर्थिक विकास और व्यापार मंत्रालय के बीच डिजिटल भुगतान प्रणाली पर समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। जयशंकर ने शुक्रवार को मालदीव की तीन दिवसीय यात्रा शुरू की, नवंबर 2023 में राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की सरकार के सत्ता संभालने के बाद उनकी पहली यात्रा। भारत पर अपने देश की निर्भरता को कम करने और इसे चीन के करीब ले जाने के लिए कई कदम उठाए। दोनों पक्षों ने मालदीव के सिविल सेवकों के प्रशिक्षण के लिए अतिरिक्त 1,000 स्लॉट के लिए भारत के राष्ट्रीय सुशासन केंद्र और मालदीव के सिविल सेवा आयोग के बीच एक और समझौता ज्ञापन का नवीनीकरण किया। जमीर के साथ एक संयुक्त मीडिया बातचीत में जयशंकर ने कहा कि यूपीआई ने वित्तीय समावेशन को नए स्तर पर ले लिया है, दुनिया का 40: वास्तविक समय डिजिटल भुगतान भारत में हो रहा है। शुक्रवार को हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन मालदीव में इस डिजिटल नवाचार को लाने की दिशा में पहला कदम है।उन्होंने कहा कि मैं दोनों पक्षों के हितधारकों को शुभकामनाएं देता हूं और आशा करता हूं कि हम जल्द ही यहां पहला यूपीआई लेनदेन देखेंगे। मुझे यह उल्लेख करना चाहिए कि इसका पर्यटन पर बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। दोनों मंत्रियों ने संयुक्त रूप से छह सामुदायिक विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया, जिनमें एक भाषण चिकित्सा इकाई, एक मानसिक स्वास्थ्य इकाई और तीन अलग–अलग अस्पतालों में एक बाल विकास केंद्र शामिल हैं, जिन्हें भारतीय अनुदान के साथ कार्यान्वित किया गया था।

9 साल की उम्र में होगी लड़कियों की शादी, क्या है इराक का प्रस्तावित कानून जिस पर बवाल मच गया

दस वर्षों से अधिक समय से इराक के राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले प्रभावशाली शिया धार्मिक गुट देश में महिलाओं के अधिकारों को कमजोर करने और कम करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। पूरे इराक में कार्यकर्ताओं और प्रदर्शनकारियों ने प्रस्तावित एक विवादास्पद कानून का कड़ा विरोध किया है, जो नौ साल से कम उम्र की लड़कियों की शादी की अनुमति देगा। देश की महिला अधिकार अधिवक्ताओं का कहना है कि अगर यह पारित हो गया तो यह प्रभावी रूप से बाल बलात्कार को वैध बना देगा। दस वर्षों से अधिक समय से इराक के राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले प्रभावशाली शिया धार्मिक गुट देश में महिलाओं के अधिकारों को कमजोर करने और कम करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। हालांकि अपने पड़ोसी सऊदी अरब के विपरीत, इराक एक पुरुष संरक्षकता प्रणाली लागू नहीं करता है जो महिलाओं को विवाह सहित जीवन के महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय अपने पति, पिता या पुरुष अभिभावक से सहमति प्राप्त करने के लिए बाध्य करता है। हालांकि, इराक में एक हालिया विधायी पहल ने महिला अधिकार अधिवक्ताओं के बीच चिंता पैदा कर दी है। प्रस्तावित कानून, जिसने देश की संसद में अनुमोदन के प्रारंभिक चरण को सफलतापूर्वक पारित कर दिया, धार्मिक नेताओं को विवाह, तलाक और बच्चे की हिरासत जैसे पारिवारिक मामलों के संबंध में निर्णय लेने का अधिकार देगा। इराक में कानून कहता है कि शादी करने के लिए लोगों की उम्र कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए। हालाँकि, इराक के न्याय मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित नया कानून लोगों को यह चुनने की अनुमति देगा कि पारिवारिक मामलों के लिए धार्मिक नियमों का पालन करना है या नागरिक अदालत प्रणाली का। संभावित कानूनी बदलाव का विरोध करने वाले संगठनों के गठबंधन की समन्वयक राया फैक ने कहा कि यह महिलाओं के लिए एक आपदा है। मेरे पति और मेरा परिवार बाल विवाह का विरोध करते हैं।

नमाज पढ़ रहे फिलिस्तीनियों पर इजरायल ने कर दी एयरस्ट्राइक, 100 से अधिक की मौत

गाजा में इजरायल का आक्रमण 7 अक्टूबर को दक्षिणी इजरायल पर हमास के घातक हमले के जवाब में शुरू किया गया था, जिसमें 1,200 इजरायली मारे गए थे और 250 से अधिक बंधकों को पकड़ लिया गया था। हमास द्वारा संचालित गाजा सरकार के एक बयान के अनुसार, गाजा में विस्थापित लोगों को आश्रय देने वाले एक स्कूल पर इजरायली हवाई हमले में 100 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए और दर्जनों घायल हो गए। कथित तौर पर हवाई हमला सुबह की नमाज के दौरान हुआ, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए, चिकित्सक अभी भी सभी शवों तक पहुंचने में असमर्थ हैं। इजराइल ने हमास के कमांड सेंटर को निशाना बनाया। इजरायली सेना ने कहा कि हवाई हमले का लक्ष्य हमास कमांड और नियंत्रण केंद्र था जहां कमांडर और संचालक छिपे हुए थे। सेना ने दावा किया कि नागरिक हताहतों को कम करने के लिए उपाय किए गए, जिनमें सटीक युद्ध सामग्री और हवाई निगरानी का उपयोग शामिल है। चल रहे संघर्ष और बढ़ती जनहानि गाजा में इजरायल का आक्रमण 7 अक्टूबर को दक्षिणी इजरायल पर हमास के घातक हमले के जवाब में शुरू किया गया था, जिसमें 1,200 इजरायली मारे गए थे और 250 से अधिक बंधकों को पकड़ लिया गया था। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजरायली हमले की शुरुआत के बाद से लगभग 40,000 फिलिस्तीनी मारे गए हैं, हालाँकि इजरायल का दावा है कि मरने वालों में से एक तिहाई हमास लड़ाके थे। इसराइल ने संघर्ष में 329 लोगों की जान गंवाई है।युद्धविराम हेतु अंतर्राष्ट्रीय प्रयास जैसे–जैसे ईरान और हिजबुल्लाह के बीच व्यापक संघर्ष की आशंका बढ़ती जा रही है, संयुक्त राज्य अमेरिका, मिस्र और कतर गुरुवार को होने वाले नए दौर की वार्ता के साथ युद्धविराम वार्ता को पुनर्जीवित करने के लिए काम कर रहे हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को मिला इस देश का सर्वोच्च सम्मान, बताया भारत और तिमोर–लेस्ते के बीच दोस्ती के संबंधों का प्रतिबिंब

मुर्मू की यात्रा से पहले विदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्व) जयदीप मजूमदार ने नयी दिल्ली में संवाददाताओं को बताया था कि भारत जल्द दिली में एक दूतावास स्थापित करेगा। उन्होंने बताया था कि तिमोर–लेस्ते ने भी नयी दिल्ली में अपना दूतावास खोलने की इच्छा जाहिर की है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सार्वजनिक सेवा में उनकी उपलब्धियों और शिक्षा, सामाजिक कल्याण और सशक्तिकरण के प्रति समर्पण के लिए तिमोर–लेस्ते के उनके समकक्ष जोस रामोस–होर्टा द्वारा देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार ग्रैंड कॉलर ऑफ द ऑर्डर ऑफ तिमोर–लेस्ते से सम्मानित किया गया। औरत। भारतीय राष्ट्रपति ने कहा कि यह पुरस्कार भारत और तिमोर–लेस्ते के बीच दोस्ती के संबंधों का प्रतिबिंब है। राष्ट्रपति मुर्मू भारत से तिमोर–लेस्ते की पहली राष्ट्रपति यात्रा पर शनिवार को यहां पहुंचे। राष्ट्रपति भवन, दिली में उनका औपचारिक स्वागत किया गया और गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्होंने तिमोर–लेस्ते के अपने समकक्ष के साथ व्यापक चर्चा की और कहा कि लोकतंत्र और बहुलवाद के मूल्यों के प्रति साझा प्रतिबद्धता के आधार पर भारत के साथ मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। मुर्मू की यात्रा से पहले विदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्व) जयदीप मजूमदार ने नयी दिल्ली में संवाददाताओं को बताया था कि भारत जल्द दिली में एक दूतावास स्थापित करेगा। उन्होंने बताया था कि तिमोर–लेस्ते ने भी नयी दिल्ली में अपना दूतावास खोलने की इच्छा जाहिर की है। मुर्मू की यह यात्रा तिमोर–लेस्ते के राष्ट्रपति होर्टा के भारत दौरे के लगभग सात महीने बाद हो रही है। होर्टा ने इस साल जनवरी में वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया था। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी मुलाकात की थी। इससे पहले, राष्ट्रपति मुर्मू न्यूजीलैंड की यात्रा पर गई थीं,

महिला टी20 वर्ड कप 2024 की मेजबानी को लेकर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने सेना प्रमुख को लिखा पत्र, नहीं छोड़ी वर्ल्ड कप की मेजबानी की उम्मीद

महिला टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी को लेकर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अभी भी उम्मीदें नहीं छोड़ी हैं। हिंसक विरोध प्रदर्शन के बीच देश की अंतरिम सरकार ने आपातकाल लगा दिया है। इस बीच बोर्ड ने गुरुवार को बांग्लादेश के आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल वकर–उज–जमान को पत्र लिखकर टूर्नामेंट के आयोजिन के लिए सुरक्षा आश्वासन मांगा है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने महिला टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी को लेकर उम्मीदें नहीं छोड़ी हैं। हिंसक विरोध प्रदर्शन के बीच देश की अंतरिम सरकार ने आपातकाल लगा दिया है। इस बीच बोर्ड ने गुरुवार को बांग्लादेश के आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल वकर–उज–जमान को पत्र लिखकर टूर्नामेंट के आयोजिन के लिए सुरक्षा आश्वासन मांगा है। टूर्नामेंट 27 सितंबर को अभ्यास मैचों के साथ शुरू होने वाला है। इस बीच आईसीसी बांग्लादेश की स्थिति पर नजर बनाए हुए है। उसने मेजबानी के विकल्पों पर भी विचार किया है। टूर्नामेंट को शिफ्ट करना पड़ता है तो बांग्लादेश के टाइम जोन वाले देश में इसे करान के संभावना है। भारत, यूएई और श्रीलंका इसकी आवश्यकता के अनुरूप है।वहीं नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को गुरुवार को नए चुनाव होने तक देश चलाने के लिए नियुक्त किया गया। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने और देशश छोड़ने के बाद, बीसीबी के अध्यक्ष नजमुल हसन को भी बांग्लादेश छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। वे हसीना की पार्टी अवामी लगी के सासंद हैं। हालांकि, बोर्ड के कुछ अन्य पदाधिकारी ढाका में ही हैं और इस बड़े आयोजन की मेजबानी को लेकर उम्मीद बनाए हुए हैं। बीसीबी के अंपायर कमिटी के चेयरमैन इफ्तेखार अहमद मिठू ने क्रिकबज से कहा है कि, हम टूर्नामेंट की मेजबानी करने की कोशिश कर रहे हैं। ईमानदारी से कहूं तो देश में हमारे बीच बहुत ज्यादा लोग मौजूद नहीं हैं। हमने सेना प्रमुख को महिला टी20 वर्ल्ड कप को लेकर सुरक्षा के बारे में आश्वासन के लिए एक पक्ष भेजा है क्योंकि हमारे पास सिर्फ दो महीने बचे हैं।

मुंबई के लिए बुची बाबू टूर्नामेंट का एक मैच खेलेंगे सूर्यकुमार यादव

मुंबई क्रिकेट संघ के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया, ''सूर्यकुमार मुंबई के लिए दूसरा मैच खेलेंगे। वह भारत के लिए सभी तीनों प्रारूप में खेलना चाहते हैं और वह जब भी वह फ्री रहते हैं तो मुंबई के लिए उपलब्ध रहे हैं।भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इस साल आगामी बुची बाबू बहु–दिवसीय टूर्नामेंट में मुंबई के लिए एक मैच खेलने की पुष्टि की है। सूर्यकुमार 27 से 30 अगस्त तक कोयंबतूर में तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन एकादश के खिलाफ मुंबई सीए एकादश के लिए खेले जाने वाले दूसरे मैच में खेलेंगे।टेस्ट विशेषज्ञ सरफराज खान को मुंबई की टीम का कप्तान बनाया गया है। सूर्यकुमार सभी प्रारूपों के क्रिकेट में खेलना चाहते हैं और भारतीय खिलाड़ी अभी ब्रेक पर होंगे क्योंकि उन्हें अगली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ खेलनी है। मुंबई क्रिकेट संघ के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया, ''सूर्यकुमार मुंबई के लिए दूसरा मैच खेलेंगे। वह भारत के लिए

सभी तीनों प्रारूप में खेलना चाहते हैं और वह जब भी वह फ्री रहते हैं तो मुंबई के लिए उपलब्ध रहे हैं। वह रणजी ट्राफी के अलावा बुची बाबू, केएससीए (गोल्ड कप) में खेलेंगे ताकि टीम के युवाओं कों प्रेरित कर सकें।

हाकी इंडिया का बड़ा ऐलान, संन्यास के बाद पीआर श्रीजेश को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

पीआर श्रीजेश ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य मेडल जीतने के बाद संन्यास ले लिया। हालांकि, अब भी वह टीम से जुड़े रहेंगे। शुक्रवार को हॉकी इंडिय ने दिग्गज खिलाड़ी को जूनियर पुरुष हॉकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। वह अब युवा टीम को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करेंगे।

भारतीय हॉकी टीम की दीवार कहे जाने वाले गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य मेडल जीतने के बाद संन्यास ले लिया। हालांकि, अब भी वह टीम से जुड़े रहेंगे। शुक्रवार को हॉकी इंडिया ने दिग्गज खिलाड़ी को जूनियर पुरुष हॉकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। वह अब युवा टीम को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करेंगे। स्पेन को हराकर भारत ने जीता कांस्यभारत ने गुरुवार को स्पेन को 2–1 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इसके साथ ही श्रीजेश ने हॉकी को अलविदा कह दिया। श्रीजेश लंबे समय से भारतीय हॉकी टीम के अहम सदस्य रहे हैं। उन्होंने पेरिस ओलंपिक में भी शानदार प्रदर्शन किया और विरोधा टीम के सामने दीवार बनकर खड़े रहे। स्पेन के खिलाफ कांस्य पदक मुकाबले में भी श्रीजेश ने अंतिम क्वार्टर में शानदार बचाव किए थे और उन्हें बढ़त लेने से रोका था। इस तरह टीम ने श्रीजेश को जीत के साथ विदाई दी। साथ ही फैंस से श्रीजेश से संन्यास के बाद लगातार उनके वापसी की मांग कर रहे थे। इसको लेकर उन्होंने कहा कि ये विदा लेने का सही समय है। मुझे लगता है कि ओलंपिक खेलों से विदा लेने का ये सही तरीका है। एक पदक के साथ। हम खाली हाथ घर नहीं जा रहे जो बड़ी बात है। मैं लोगों की भावनाओं का सम्मान करता हूं लेकिन कुछ फैसले कठिन होते हैं। सही समय पर फैसला लेने से हालात खूबसूरत हो जाते हैं। इसलिए मेरा फैसला नहीं बदलेगा।

अगर हमें खिलाड़ियों को चुनने के मामले में कुछ अलग करने की जरूरत पड़ी तो हम ऐसा करेंगे रोहित

कप्तान ने कहा, ''हमें यह स्वीकार करना होगा कि हमने कहां गलतियां कीं। हम स्पिनरों के खिलाफ अधिक दृढ़ निश्चय और आक्रामकता नहीं दिखा सके और उन्होंने हम पर लगातार दबाव बनाया।''भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने स्वीकार किया कि स्पिन की अनुकूल परिस्थितियों का सामना करने की कोशिश करते समय उनके खिलाड़ी 'लगातार पर्याप्त बहादुरी नहीं' दिखा पाए और उन्होंने संकेत दिया कि अगर ऐसा हुआ तो वे विशिष्ट परिस्थितियों के लिए विशेष खिलाड़ियों को चुनने से पीछे नहीं हटेंगे।भारत ने तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला का पहला मैच टाई किया लेकिन अगले दो मैचों में भारतीय बल्लेबाजों श्रीलंका के स्पिन आक्रमण के सामने घुटने टेक दिए। रोहित ने बिना किसी संकोच के कहा, ''हमें यह सोचने की जरूरत है कि कौन से खिलाड़ी इस तरह की पिचों पर खेल सकते हैं, लेकिन आपको लगातार मौके देने की भी जरूरत है क्योंकि एक या दो मौकों पर अच्छा प्रदर्शन करना आसान नहीं है। यह एक खराब श्रृंखला रही और हमें इसे स्वीकार करना होगा।'' बुधवार को तीसरे वनडे में 249 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 138 रन पर आउट होने के बाद कप्तान ने कहा, ''हमें यह स्वीकार करना होगा कि हमने कहां गलतियां कीं। हम स्पिनरों के खिलाफ अधिक दृढ़ निश्चय और आक्रामकता नहीं दिखा सके और उन्होंने हम पर लगातार दबाव बनाया।''भारतीय टीम में जिस चीज की कमी थी, वह थी खिलाड़ियों की व्यक्तिगत योजनाएं। रोहित ने कहा, ''यह व्यक्तिगत योजनाओं के बारे में है। हमारे सामने पहले भी ऐसी समस्याएं आई हैं, जब गेंद थोड़ी घूम रही थी। मैं देख सकता हूं कि खिलाड़ी नेट्स में कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं और वे अलग–अलग शॉट खेलने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हमें यह जानना होगा कि लय कैसे बनाए रखें। हम तीन बार विफल रहे। हमें वह पहला मैच जीतना चाहिए था जो टाई रहा।

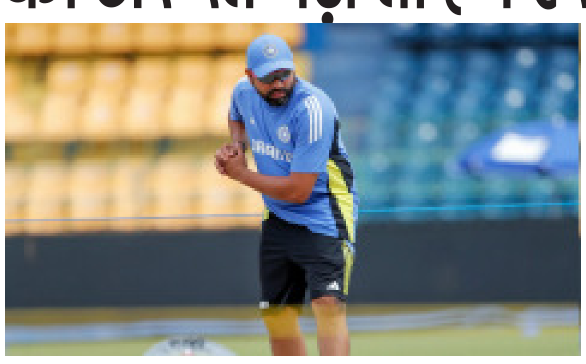

हाकी इंडिया ने ओलंपिक कांस्य पदक विजेता टीम के लिये नकद पुरस्कार का ऐलान किया

सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा ,'' हॉकी इंडिया पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले प्रत्येक खिलाड़ी को 15 लाख रूपये और सहयोगी स्टाफ को साढे सात लाख रूपये नकद पुरस्कार देने की घोषणा करता है।हॉकी इंडिया ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के प्रत्येक सदस्य को 15 लाख रूपये और सहयोगी स्टाफ को 7 . 5 लाख रूपये नकद पुरस्कार देने का ऐलान किया है। भारत ने स्पेन को 2 . 1 से हराकर लगातार दूसरी बार ओलंपिक में कांस्य पदक जीता। यह भारत का ओलंपिक हॉकी में 13वां पदक था। हॉकी इंडिया ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा ,'' हॉकी इंडिया पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले प्रत्येक खिलाड़ी को 15 लाख रूपये और सहयोगी स्टाफ को साढे सात लाख रूपये नकद पुरस्कार देने की घोषणा करता है।

साउथ अफ्रीका टी20 लीग से जुड़ेंगे Dinesh Karthik ऐसा कीर्तिमान करने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर

दरअसल, कार्तिक दक्षिण अफ्रीका की मशहूर लीग एसए टी20 लीग में खेलते हुए दिखेंगे। आरसीबी से संन्यास लेने के बाद दिनेश कार्तिक एसए20 में पार्ल रॉयल्स के लिए खेलेंगे। इस दौरान उन्होंने एसए20 के तीसरे सत्र के लिए अनुबंध करार पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके साथ ही वह दक्षिण अफ्रीकी टी20 क्रिकेट लीग से जुड़ने वाले पहले भारतीय क्रिकेट बन गए हैं।भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने ऐसा कारनामा किया है जो अभी तक किसी भारतीय क्रिकेटर ने नहीं किया। दरअसल, कार्तिक दक्षिण अफ्रीका की मशहूर लीग एसए टी20 लीग में खेलते हुए दिखेंगे। आरसीबी से संन्यास लेने के बाद दिनेश कार्तिक एसए20 में पार्ल रॉयल्स के लिए खेलेंगे। इस दौरान उन्होंने एसए20 के तीसरे सत्र के लिए अनुबंध करार पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके साथ ही वह दक्षिण अफ्रीकी टी20 क्रिकेट लीग से जुड़ने वाले पहले भारतीय क्रिकेट बन गए हैं। आईपीएल में लंबे समय तक खेलने वाले 39 साल के कार्तिक ने इस साल जून में क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था और उन्हें आईपीएल टीम आरसीबी ने मेंटर सह बल्लेबाजी कोच के रूप में नियुक्त किया है।

विनेश ने ओलंपिक से अयोग्य घोषित किए जाने के खिलाफ खेल पंचाट में अपील की

भारतीय दल में शामिल भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के एक सूत्र ने पीटीआई से इस बात की पुष्टि की। सूत्र ने कहा, ''हां हमें इस बारे में पता चला है। यह उनकी टीम द्वारा किया गया है।''भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक की महिला कुश्ती के 50 किग्रा वर्ग के फाइनल से अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ बुधवार को खेल पंचाट (कैस) में अपील की और मांग की कि उन्हें संयुक्त रजत पदक दिया जाए।भारतीय दल में शामिल भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के एक सूत्र ने पीटीआई से इस बात की पुष्टि की। सूत्र ने कहा, ''हां हमें इस बारे में पता चला है। यह उनकी टीम द्वारा किया गया है।''ओलंपिक खेलों के दौरान या उद्घाटन समारोह से पहले 10 दिनों की अवधि के दौरान उत्पन्न होने वाले किसी भी विवाद के मध्यस्थता द्वारा समाधान के लिए यहां खेल पंचाट के एक तदर्थ विभाग को स्थापित किया गया है। इस मामले की सुनवाई गुरुवार सुबह होगी।

सूंघने की क्षमता हो गई है कम तो हो जाएं सावधान, इस बीमारी का हो सकता है खतरा

कोविड महामारी से पीड़ित लोगों में स्मेल करने की क्षमता कम होना, टेस्ट की कमी जैसी शक्ति पहले से कम हुई है. जो लोग इससे ठीक भी हो चुके हैं उनमें भी सूंघने की क्षमता की कमी और मुंह का स्वाद बिगड़ने जैसे लक्षण दिखाई दिए हैं. आज हम आपको विस्तार से बताएंगे के सूंघने की क्षमता की कमी होने के कारण किस गंभीर बीमारी का खतरा बढ़ता है.

कंजेस्टिव हार्ट फेलियर

जर्नल ऑफ द अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के रिसर्च के मुताबिक सूंघने की शक्ति कम होने के लक्षण ज्यादातर बुजुर्ग में देखी गई है. उनके शरीर में कंजेस्टिव हार्ट फेलियर एक नई बीमारी का पता चला है. यह बीमारी एक खतरनाक रूप ले सकती है.सूंघने की शक्ति कम होने पर हार्ट अटैक का खतरा काफी ज्यादा बढ़ता है. यह इसके शुरुआती लक्षणों में से एक है. सूंघने की शक्ति कमजोर होने पर दिमाग से जुड़ी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ता है. कमजोर दिल वाले व्यक्तियों सूंघने की शक्ति धीरे–धीरे कम होने लगती है. नर्वस सिस्टम की शक्ति धीरे–धीरे कमजोर होने लगती है. जिसके कारण सूंघने की शक्ति कम होती है.नाक से संबंधित परेशानी होने परकोविड –19 होने पर

दिमाग पर कोई चोट लगने परसूंघने की शक्ति का कम होना क्या है?सूंघने की शक्ति कम होने पर स्निफिन स्टिक टेस्ट किया जाता है. ताकि हाइपोस्मिया या सूंघने की शक्ति कम होने पर इस मापा जा सके. इस टेस्ट में सूंघने की शक्ति कम होने लगती है. इस दौरान बदबू को पहचानना मुश्किल है.किन लोगों में सूंघने की शक्ति कम होने लगती है

बुजुर्गन्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारी जैसे अल्जाइमर पार्किंससक्रोनिक साइनस समस्या या नाक की समस्या वाले लोगजिन लोगों को जेनेटिक की बीमारी है उन्हें स्मोकिंग नहीं करना चाहिए. क्योंकि इससे सूंघने की शक्ति कम होती है.सूंघने की शक्ति कमजोर होने सेबचने का तरीकाअपनी स्वास्थ्य समस्याओं का खास ख्याल रखेंसाइनस संक्रमण में इलाज करके बचा जा सकता है जहरीली चीजों का इस्तेमाल कम से कम करेंहार्ट को हेल्दी रखेंइन सभी तरीकों को अपनाकर ही सूंघने की शक्ति को मजबूत बना सकते हैं.बीते कुछ सालों में हार्ट अटैक भारत के लिए एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है. सिर्फ इतना ही नहीं देश में हार्ट अटैक से होने वाली मौतों की संख्या लगातार बढ़ रही है. 25–45 साल के उम्र वाले नौजवानों में लगातार हार्ट अटैक के केसेस बढ़ रहे हैं. जो दिन पर दिन एक गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है. यह बीमारी सिर्फ बुजुर्गों तक ही नहीं जवान लोगों में भी काफी ज्यादा देखने को मिल रही है.

क्या आपके कान में भी बजती है घंटी ? हो सकती है ये खतरनाक बीमारी

कान में घंटी, सीटी या सांय–सांय की आवाज आए तो हल्के में न लें, क्योंकि ये खतरनाक बीमारी हो सकता है. यह एक ऐसी अजीब आवाज होती है जो किसी दूसरे को सुनाई नहीं देती है. लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं, जो धीरे–धीरे गंभीर हो जाती है. दरअसल, कान में इस तरह की आवाज आना टिनिटस बीमारी की वजह से होता है. अगर इसका समय पर इलाज न हो तो इंसान बहरा तक हो सकता है. इतना ही नहीं इससे मानसिक सेहत बुरी तरह प्रभावित हो सकता है. आइए जानते हैं यह बीमारी कितनी हानिकारक हो सकती है...

टिनिटस बीमारी कितनी खतरनाक

कान के एक नर्व में गड़बड़ी की वजह से टिनिटस बीमारी होती है. इसे दवा या सर्जरी की मदद से कम किया जा सकता है लेकिन अगर यह ज्यादा डैमेज हो जाए तो सोते, जागते या काम करते हुए बड़ी परेशानी बन सकती है. एक्सपर्ट्स के मुताबिक, कई बार कान में छोटे से ब्?लॉकेज की वजह से भी ये समस्या हो सकती है. हियरिंग लॉस, कान में इंफेक्?शन, साइनस इंफेक्?शन, हार्ट डिजीज, सर्कुलेटरी इंफेक्?शन, ब्रेन ट्यूमर, हार्मोनल बदलाव और थायराइड बढ़ने से भी कान में सीटी या घंटी जैसी आवाज आती है.

टिनिटस कब ज्यादा गंभीर

अगर टिनिटस की बीमारी के लगातार नजरअंदाज किया जाए तो फेशियल पैरालिसिस जैसी गंभीर समस्या भी हो सकती है. इससे हमेशा के लिए सुनने की क्षमता खो सकते हैं. कई बार तो इससे परेशान होकर सुसाइड तक का ख्याल आने लगता है. ऐसे में डॉक्टर के संपर्क में रहना चाहिए. इस बीमारी का इलाज अभी तक संभव नहीं हुआ है लेकिन डॉक्टर कुछ थेरेपी और दवाओं की मदद से इसकी परेशानियों को कम कर सकते हैं.

कान में घंटी की आवाज का इलाज क्या है

1. टिनिटस से बचने के लिए साउंड बेस्?ड थेरेपी की मदद ले सकते हैं. इससे बाहर की आवाज बढ़ा दी जाती है, जिससे टिनिटस के लक्षण कम हो जाते हैं.

2. बिहेवियरल थेरेपी की मदद से भी इस बीमारी से बचा जा सकता है. बहुत ज्यादा इमोशनल स्?ट्रेस, इंसोमनिया, डिप्रेशन की वजह से टिनिटस होता है, जिसमें बिहेवियर थेरेपी काम आता है.

3. कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी और प्रोग्रेसिव टिनिटस मैनेजमेंट से भी इस आवाज से छुटकारा पा सकते हैं.

4. टिनिटस को एंटी एंग्?जायटी ड्रग, एंटी डिप्रेशन से जुड़ी दवाईयों से भी दूर किया जा सकता है. डॉक्टर कान के हालत के हिसाब से दवाईयां लिखते हैं.

5. मानसिक दबाव में भी कान में घंटी की आवाज आती है. ऐसे में तनाव और एंग्?जायटी को दूर करने के लिए एक्सरसाइज, योग, मेडिटेशन, डाइट, सोशल लाइफ को बेहतर बना सकते हैं.

स्त्री 2 का सान्ग खूबसूरत रिलीज, स्त्री के प्यार के लिए भेड़िया वरुण धवन से भिड़े राजकुमार राव

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर स्टारर हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 का एक और रोमांटिक ट्रैक खूबसूरत रिलीज हो गया है. सॉन्ग खूबसूरत में वरुण धवन के साथ श्रद्धा कपूर की रोमांटिक केमिस्ट्री देखने को मिल रही है. सॉन्ग खूबसूरत रोमांटिक होने के साथ–साथ मजेदार भी है. इसमें स्त्री श्रद्धा कपूर का प्यार पाने के लिए राजकुमार राव को वरुण से भिड़ते देखा जा रहा है. भेड़िया वरुण धवन भी स्त्री के प्यार के जाल में पूरी तरह से फंसते दिख रहे हैं और विक्की (राजकुमार राव) से आखिरी तक जमकर जिरह कर रहे हैं.सॉन्ग खूबसूरत को विशाल मिश्रा म्यूजिक कंपोजर सचिन–जिगर के साथ मिलकर गाया है. वहीं, इस गाने के कंपोजर खुद सचिन–जिगर हैं. गाने की बात करें तो, श्रद्धा कपूर लाल

साड़ी में स्त्री के रोल में वरुण धवन और राजकुमार राव को अपनी खूबसूरती से दिवाना बनाती दिख रही हैं. लाल साड़ी में बतौर स्त्री श्रद्धा कपूर का टोन्ड फिगर उनके दर्शकों को खूब भा रहा है.अमर कौशिक के निर्देशन में बनी फिल्म स्त्री 2 के लिए बॉक्स ऑफिस पर मोटा पैसा कमाना आसान नहीं होगा. क्योंकि 15 अगस्त को अक्षय कुमार की खेल–खेल में, जॉन अब्राहम की वेदा, साउथ सुपरस्टार राम पोथिनेनी की एक्शन ड्रामा फिल्म डबल इस्मार्ट शंकर रिलीज होने जा रही हैं. वहीं, स्त्री 2 के मेकर्स ने नया दांव खेलते हुए 14 अगस्त को फिल्म के नाइट शो चलाने का प्लान बनाया है. अब देखना है कि इन फिल्मों से दर्शक किसे सबसे ज्यादा प्यार देते हैं.

जूनियर एनटीआर की एनटीआर31 की रिलीज डेट आउट, केजीएफ डायरेक्टर संग वर्ल्डवाइड धमाका करेंगे आरआरआर स्टार

साउथ फिल्मों के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने आ रहे हैं. साल 2022 में फिल्म आरआरआर के बाद अब दो फिल्मों से चर्चा में हैं. पहली एक्शन ड्रामा फिल्म देवरा पार्ट 1 और दूसरी है एनटीआर 31. जूनियर एनटीआर की फिल्म एनटीआर 31 को केजीएफ फेम डायरेक्टर प्रशांत नील बना रहे हैं. फिल्म एनटीआर 31 से बड़ा अपडेट आया है. एनटीआर 31 की आज पूजा सेरेमनी हुई और इसी के साथ

फिल्म की रिलीज डेट का भी एलान हो गया है.हैदराबाद में एनटीआर 31 की पूजा सेरेमनी के बाद फिल्म की रिलीज डेट का एलान किया गया है. एनटीआर 31 की पूजा सेरेमनी में जूनियर एनटीआर और डायरेक्टर प्रशांत नील समेत प्रोड्यूसर और पूरी टीम शामिल थी. वहीं, एनटीआर 31 की पूजा सेरेमनी के बाद फिल्म के मेकर्स मैत्री मूवी मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट का एलान कर दिया है. मेकर्स ने सोशल मीडिया पर आकर एक पोस्टर शेयर कर फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है. बता दें, एनटीआर 31 के लिए लंबा इंतजार करना पड़ेगा, क्योंकि फिल्म 9 जनवरी 2026 को मकर संक्रांति के मौके पर रिलीज होने जा रही है.एनटीआर 31 की रिलीज डेट का एलान कर मेकर्स ने लिखा है , इस बार दुनिया इनके जोर से हिलेगी, एनटीआर 31 धरती पर 9 जनवरी 2026 को रिलीज होने जा रही है. बता दें, इससे पहले 27 सितंबर को जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा पार्ट 1 रिलीज होने जा रही है. इस फिल्म को कोराताला सिवा ने डायरेक्ट किया है. फिल्म देवरा पार्ट 1 से बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अपना साउथ डेब्यू करने जा रही हैं.

ओटीटी पर रिलीज हुई कार्तिक आर्यन की चंदू चौंपियन, प्राइम वीडियो पर हुई स्ट्रीम

कार्तिक आर्यन स्टारर स्पोर्ट्स बायोग्राफिकल फिल्म चंदू चौंपियन अब सिनेमा के तीसरे पर्दे ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है. चंदू चौंपयिन बीती 14 जून को वर्ल्डवाइड रिलीज हुई थी. चंदू चौंपियन

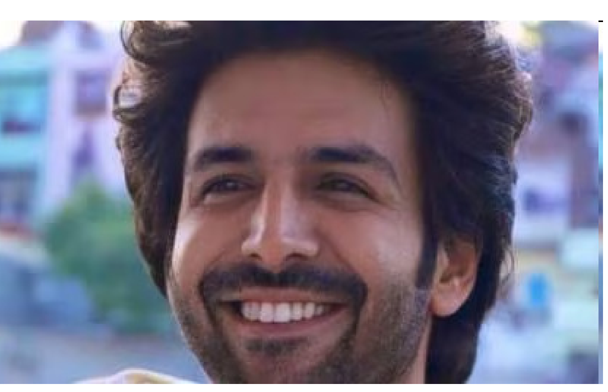

को एक था टाइगर के डायरेक्टर कबीर खान ने डायरेक्ट किया है. चंदू चौंपियन भारत के पहले पैरालिंपिक गोल्ड मेडेलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की कहानी है. खुद गोल्ड मेडेलिस्ट ने इस फिल्म को स्पेशल स्क्रीनिंग पर देखा था. अब देश के इस पूर्व स्टार खिलाड़ी की कहानी ओटीटी पर भी स्ट्रीम होने जा रही है. चंदू चौंपयिन कब और किस प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी आइए जानते हैं.चंदू चौंपियन आज प्राइम वीडियो पर दुनियाभर के 240 से ज्यादा देश और टेरेटरी में स्ट्रीम हो रही है. बता दें, फिल्म चंदू चौंपियन के मेकर्स नाडियाडवाला ग्रैंडसन ने बीती रात को एक रेंडम एक्स पोस्ट में फिल्म की ओटीटी रिलीज की तारीख का एलान किया है. इस पोस्ट में मेकर्स ने लिखा है, यह कहानी जिंदगी में आने वाली लाख कठिनाईयों से उबरने वाले स्टार की है, आप भी इस कहानी के हीरो की जिंदगी

विक्की कौशल ने भाई सनी की फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा की तारीफ

सनी कौशल, तापसी पन्नू और विक्रांत मैसी अभिनीत बहुप्रतीक्षित फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा आखिरकार नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो गई है। सनी के भाई विक्की कौशल उन पहले सेलेब्रिटीज में से एक थे जिन्होंने फिल्म की समीक्षा की और इसे प्यार दिया। सनी कौशल, तापसी पन्नू और विक्रांत मैसी अभिनीत बहुप्रतीक्षित फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा आखिरकार नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो गई है। सनी के भाई विक्की कौशल उन पहले सेलेब्रिटीज में से एक थे जिन्होंने फिल्म की समीक्षा की और इसे प्यार दिया। स्टोरीज सेक्शन में अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर उन्होंने फिल्म को श्क्या मजेदार देखेंश कहा। उन्होंने लिखा श्पहले भाग से ट्विस्ट, टर्न, रोमांस और रोमांस को आगे बढ़ाते हुए.. क्या मजेदार देखें। इसे मिस न करें! बधाई टीम।सनी कौशल ने भी विक्की की पोस्ट को रीशेयर किया और लाल दिल वाले इमोजी पोस्ट करके अपने भाई को धन्यवाद दिया। फिर आई हसीन दिलरुबा, हसीन दिलरुबा का सीक्वल है,

ओल्ड मनी सान्ग रिलीज, सलमान खान और संजय दत्त संग एक्शन मोड में दिखे रैपर एपी ढिल्लों

पॉपुलर पंजाबी सिंगर और वर्ल्ड फेमस रैपर एपी ढिल्लों, सलमान खान और संजय दत्त का न्यू ब्रॉन्ड गाना ओल्ड मनी रिलीज हो गया है. सॉन्ग ओल्ड मनी में सलमान खान, एपी ढिल्लों का जबरदस्त एक्शन देखने को मिल रहा है. सॉन्ग में सलमान खान और एपी ढिल्लों जमकर मारधाड़ और एक्शन करते दिख रहे हैं.बता दें, बीती 6 अगस्त को दबंग स्टार सलमान ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर ओल्ड मनी का टीजर जारी कर इसकी रिलीज डेट का खुलासा किया था. इस गाने में बॉलीवुड के संजू बाबा उर्फ संजय दत्त का खास रोल है, लेकिन टीजर में उनकी झलक नहीं दिखी थी और वह गाने के भी अंत में नजर आए हैं. गाने में इंडो कनाडियन रैपर सिंधा कोहलन भी दिख रहे हैं.

कहा जा रहा है कि ओल्ड मनी सिर्फ एक गाना नहीं है, बल्कि यह एक घटना पर आधारित है, जिस वजह से इसमें धांसू मारधाड़ देखने को मिल रही ही. फैंस इस कोलैबोरेशन को लेकर काफी एक्साइडेट थे और आज वो सब्र भी खत्म हो गया है. इससे पहले 2 अगस्त को एपी ढिल्लों ने इंस्टाग्राम पर एक दिलचस्प मोशन पोस्टर के साथ ओल्ड मनी गाने का एलान किया था. सिंगर ने कैप्शन में लिखा था, मुझे पता है कि आपने इसे आने की उम्मीद नहीं की थी. मोशन पोस्टर में रैपर, सलमान

खान और संजय दत्त की झलक दिखी थी. बता दें, एपी पहली बार सलमान खान और संजय दत्त के साथ काम कर रहे हैं.एपी के प्रोजेक्ट दिखने वाली सलमान खान और संजय दत्त की जोड़ी पहले भी एक साथ नजर आ चुकी है. इससे पहले फिल्म दस के लिए इस सुपरहिट जोड़ी ने सॉन्ग सबसे आगे होंगे हिंदुस्तानी में साथ में काम किया था. वहीं, इस जोड़ी को फिल्म चल मेरे भाई, साजन और सन ऑफ सरदार जैसी हिट फिल्मों में साथ में देखा गया है.

बाक्स आफिस पर अंतिम सांसें गिन रही उलझ, एक हफ्ते में 10 करोड़ भी नहीं कमा पाई फिल्म

साल 2024 में अब तक कई फिल्में रिलीज हो चुकी है लेकिन कुछ ही फिल्में दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रही हैं. जहां शमुंज्याय जैसी कम बजट की फिल्मों ने ताबड़तोड़ कमाई कर हैरान किया तो अक्षय कुमार स्टारर शबड़े मियां छोटे मियांय जैसी बड़े बजट की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई.

हाल ही में जाह्नवी कपूर की स्पाई थ्रिलर श्उलझ्य और अजय देवगन स्टारर शऔरों में कहां दम थाय सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. ये दोनों फिल्में भी दर्शकों की कसौटी पर खरी नहीं उतर पाई हैं. जाह्नवी की उलझ की बात करें तो ये फिल्म रिलीज के पहले दिन से सिनेमाघरों में दर्शकों के लिए तरस रही है. फिल्म को रिलीज हुए 7 दिन हो गए हैं लेकिन ये 10 करोड़ का आंकड़ा भी नहीं छू पाई है. चलिए यहां जानते हैं श्उलझ्य ने रिलीज के 7वें दिन कितना कलेक्शन किया हैजाह्नवी कपूर की श्उलझ्य को दर्शकों से बेहद ठंडा रिस्पॉन्स मिला है. ना तो इस फिल्म की कहानी और ना ही स्टार कास्ट ऑडियंस को सिनेमाघरों तक खींच पा रही है. फिल्म की ओपनिंग ही बेहद खराब हुई थी और रिलीद के चौथे दिन ही इसकी कमाई लाखों में सिमट गई थी. ऐसे में श्उलझ्य के मेकर्स भी सिर पकड़े बैठे हैं. फिल्म पूरी तरह डूब चुकी है और इसके कलेक्शन में अब उछाल आने की जरा भी उम्मीद नहीं है. वहीं फिल्म की कमाई की बात करें तो श्उलझ्य ने 1.15 करोड़ से खाता खोला था. दूसरे दिन फिल्म ने 1.75 करोड़, तीसरे दिन 2 करोड़, चौथे दिन 65 लाख, पांचवें दिन भी 65 लाख और छठे दिन 55 लाख का कारोबार किया. वहीं अब श्उलझ्य की रिलीज के 7वें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं.सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक श्उलझ्य ने रिलीज के 7वें दिन यानी पहले गुरुवार को 50 लाख की कमाई की है. इसी के साथ श्उलझ्य का सात दिनों का कुल कलेक्शन अब 7.20 लाख हो गया है.

श्उलझ्य को रिलीज हुए एक हफ्ता हो गया है और ये अब अब बॉक्स ऑफिस पर अपनी आखिरी सांसे गिनती हुई नजर आ रही है. फिल्म की बॉक्स ऑफिस कलेक्शन रिपोर्ट बेहद खराब है.रिलीज के 7 दिन बाद भी श्उलझ्य 10 करोड़ का कलेक्शन नहीं कर पाई है.ऐसे में ये फिल्म बुरी तरह फ्लॉप हो चुकी है.हाल ही में, उलझ्य अभिनेता गुलशन देवैया ने अपनी फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन पर अपना रिएक्शन दिया था. फिल्म की बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट को रीपोस्ट करते हुए उन्होंने एक्स पर लिखा था, संघर्ष वह नमक है जो सफलता का स्वाद चखता है. जो लोग संघर्ष को स्वीकार नहीं करते वे कभी कुछ सार्थक हासिल नहीं कर पाएंगे. यह एक मुश्किल बिजनेस है. पीरियड. वहींजब एक एक्स यूजर ने कहा कि ओटीटी प्लेटफॉर्म फिल्मों के लिए बेहतर माध्यम हैं, तो गुलशन ने जवाब दिया था, फीचर फिल्में बड़े पर्दे पर देखने के लिए होती हैं. हिट फ्लॉप तो चलता रहता है. जब सिनेमा की बात आती है तो मैं अपने आदर्शवाद को छोड़ने को तैयार नहीं हूं और यह भी उम्मीद नहीं करता कि लोग इसे समझेंगे.

अदिति भाटिया ने अपने खास दोस्तों की कराई ग्रूमिंग, देखते रह गए लोग

एक्ट्रेस अदिति भाटिया आज भी लोकप्रिय शो ये है मोहब्बतें में मेन लीड रमन कुमार भल्ला की बेटी रूही भल्ला के किरदार से घर–घर में मशहूर हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उन्होंने गुरुवार को अपने पेट डॉग मर्फी और ओली के खास ग्रूमिंग सेशन की एक झलक साझा की।अदिति ने स्टोरीज सेक्शन में अपने पेट डॉग्स के साथ एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में अदिति ने कैजुअल ब्लैक टी–शर्ट पहनी हुई है और उनके पेट डॉग्स कार की खिड़क से बाहर खुशी से देख रहे हैं। वीडियो को शेयर करते हुए अदिति ने कैप्शन में लिखा, ग्रूमिंग के बाद लोग इन्हें देख रहे हैं।एक अन्य स्टोरी में अदिति ओली के साथ पोज दे रही हैं और उन्होंने लिखा, वह पिछले दिनों काफी बुरा था!!अदिति ने अपनी एक सेल्फी भी अपलोड की, जिसमें उनके चारों ओर यूनिकॉर्न, फूल, दिल और टेडी बियर के स्टिकर लगे हुए हैं। उन्होंने लिखा, मेरी जिंदगी में बहुत उथल–पुथल है, मैं अपना ख्याल रखना या इंस्टा पर एक्टिव रहना भूल गई हूं, इस समय मैं पागल हो रही हूं।आखिरी तस्वीर में अदिति मर्फी और ओली के साथ सेल्फी ले रही हैं। इस पर कैप्शन लिखा, ओके बाय लव यू। अदिति ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर की। उन्होंने सबसे पहले छोटे पर्दे पर सीरियल होम स्वीट होम में करिश्मा का रोल अदा किया। वह टीवी सीरियल तुझ संग प्रीत लगाई साजना में तुलसी के किरदार में नजर आईं। उन्होंने शाहिद कपूर और अमृता राव की फिल्म विवाह में अमृता राव के बचपन का किरदार निभाया था। यह फिल्म 2006 में रिलीज हुई। इसमें शाहिद कपूर और अमृता राव के साथ अनुपम खेर, आलोक नाथ, सीमा बिस्वास, समीर सोनी और लता सभरवाल भी नजर आए। इसके अलावा उन्होंने फिल्म शूट आउट एट लोखंडवाला में संजय दत्त की बेटी का किरदार निभाया। द ट्रेन में इमरान हाशमी की ऑनस्क्रीन बेटी बनी। वहीं, चांस पे डांस और सरगोशियां जैसी फिल्मों में भी बतौर बाल कलाकार काम किया। लीड एक्ट्रेस के तौर पर अदिति ने टशन–ए–इश्क में काम किया। उन्होंने बबली तनेजा का किरदार निभाया। इसके बाद ये है मोहब्बतें में रूही भल्ला के किरदार में दिखीं। स्टार प्लस पर प्रसारित होने वाले इस शो का निर्माण एकता कपूर ने बालाजी टेलीफिल्म्स के तहत किया था। इसमें करण पटेल, दिव्यांका त्रिपाठी दहिया और रूहानिका धवन लीड रोल में थे। अदिति ने कॉमेडी नाइट्स बचाओ ताजा, कॉमेडी सर्कस और खतरा खतरा खतरा में भी काम किया है।

औरों में कहां दम था की कमाई की रफ्तार धीमी, एक हफ्ते में 10 करोड़ का आंकड़ा छुआ

अजय देवगन और तब्बू की फिल्म औरो में कहां दम था को ठीक एक सप्ताह पहले सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। हालांकि, यह लोगों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित होती नजर आ रही है।शुरुआत से बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का संघर्ष जारी है। पिछले कुछ दिनों से इस फिल्म की दैनिक कमाई लाखों में सिमटी हुई है।अब औरो में कहां दम था की कमाई के सातवें दिन के आंकड़े सामने आए हैं।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, औरो में कहां दम था ने अपनी रिलीज के सातवें दिन

यानी गुरुवार को 60 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 10.05 करोड़ रुपये हो गया है।औरों में कहां दम था के निर्देशक नीरज पांडे हैं। फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है।शीतल भाटिया, कुमार मंगत पाठक और संगीता अहीर इसके निर्माता हैं। इस फिल्म का बजट 100 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। औरों में कहां दम था में अजय और तब्बू के अलावा जिमी शेरगिल, सई मांजरेकर और शांतनु महेश्वरी जैसे सितारों ने भी अहम भूमिका निभाई है।इस फिल्म में अजय और तब्बू की अधूरी प्रेम कहानी दिखाई गई है, जो ताउम्र पूरी नहीं हो पाती।बॉक्स ऑफिस पर औरों में कहां दम था का सामना जाह्नवी कपूर की फिल्म उलझ से हो रहा है।इसके अलावा प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी भी इन दिनों सिनेमाघरों में लगी हुई है।

महाराष्ट्रीयन लुक में निकिता दत्ता ने ढाया कहर, सादगी भरा अवतार देख लट्टू हुए फैंस

बॉलीवुड की ग्लैमरस और हॉट एक्ट्रेस निकिता दत्ता काफी ज्यादा पॉपुलर हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी का जादू फैंस के बीच इस कदर बिखेरा है कि लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की बेहद स्टनिंग फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनकी दिलकश अदाएं देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं।

एक्ट्रेस निकिता दत्ता हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही वायरल होने लगता है।

हाल ही में एक्ट्रेस निकिता

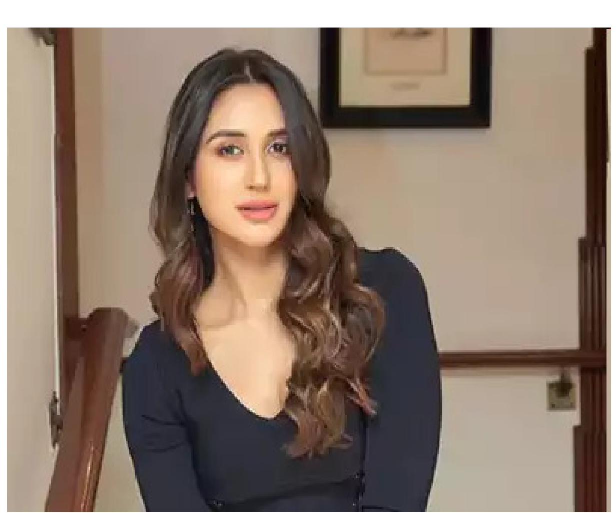

दत्ता ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने पिंक कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो महाराष्ट्रीयन लुक में नजर आ रही है।

निकिता दत्ता ने अपने इस साड़ी लुक को कंप्लीट करने के लिए गले में नेकलेस, हाथों में चूड़ियां, नाक में नथ, कानों में इयररिंग्स, बालों का बन बनाकर और लाइट मेकअप कर के अपने आउटलुक को कप्लीट किया है।

एक्ट्रेस अपने इस आउटलुक में बेहद ही खूबसूरत और गॉर्जियस नजर आ रही हैं। हालांकि फैंस भी उनके इस लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थक रहे हैं।

निकिता दत्ता की इन फोटोज पर अबतक 74 हजार से भी ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं। वहीं, कई यूजर्स कॉमेंट्स करते हुए अपने रिएक्शंस दे रहे हैं।

बांग्लादेश में हो रही हिंदुओं की हत्या पर आया एक्ट्रेस प्रिती जिंटा का बयान, बांग्लादेशी हिंदुओं को बचाओ हैशटैग का भी इस्तेमाल किया

भारत का पड़ोसी देश बांग्लादेश हाल ही में गलत कारणों से सुर्खियों में रहा है। राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव के बाद देश संकट में आ गया है, क्योंकि सरकार विरोधी बड़े पैमाने पर हुए प्रदर्शनों के हिंसक हो जाने के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। भारत का पड़ोसी देश बांग्लादेश हाल ही में गलत कारणों से सुर्खियों में रहा है। राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव के बाद देश संकट में आ गया है, क्योंकि सरकार विरोधी बड़े पैमाने पर हुए प्रदर्शनों के हिंसक हो जाने के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ हिंसा के कई वीडियो सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। अब, प्रीति जिंटा ने ऐसी घटनाओं पर अपनी निराशा व्यक्त की है और अपने एक्स (जिसे पहले ट्विटर कहा जाता था) हैंडल पर अपने विचार साझा किए हैं। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर इस तरह के हमलों की निंदा करते हुए प्रीति ने लिखा, श्बांग्लादेश में अल्पसंख्यक आबादी के खिलाफ हिंसा की खबर सुनकर स्तब्ध और दुखी हूं।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 11 अगस्त 2024
sheelshukla100@gmail.com

जिलाधिकारी के नेतृत्व में विकास कार्यों की रैंकिंग में लंबी छलांग, जुलाई माह की रैंकिंग में देवरिया 18 वें स्थान पर पहुंचा

जून माह की रैंकिंग में था जनपद का 67वां स्थान

डीएम ने दी बधाई कहा शीर्ष पांच में आने का होगा प्रयास

ब्यूरो देवरिया

देवरिया। जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल के नेतृत्व में जनपद में हो रहे विकास कार्यों की रैंकिंग में देवरिया ने लंबी छलांग लगाई है। प्रदेश सरकार द्वारा जारी जुलाई माह की रैंकिंग में देवरिया को 18 वां स्थान मिला है। जबकि जून माह की रैंकिंग में जनपद का 67वां स्थान था। 49 पायदान की प्रगति करने पर जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी श्री प्रत्यूष पांडेय सहित सभी अधिकारियों और कार्मिकों को बधाई दी है। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी एवं कार्मिक इस प्रगति से प्रेरणा लें और इस माह की रैंकिंग में शीर्ष पाँच स्थान में आने का प्रयास करें। मुख्य विकास अधिकारी प्रत्यूष पांडेय ने बताया कि आज जारी रैंकिंग में जनपद को 10 में से 8.53 अंक प्राप्त हुए हैं। रैंकिंग का निधारण कुल 86 परियोजनाओं के आधार पर किया गया है। 42 परियोजनाओं, योजनाओं में जनपद को ए प्लस ग्रेड की रेटिंग प्राप्त हुई है, जिसमें स्वास्थ्य विभाग की छह, पशुपालन विभाग की चार, विद्युत विभाग की तीन तथा बेसिक शिक्षा विभाग की दो स्कीम्स शामिल हैं। इसके अतिरिक्त चार में ए ग्रेड एवं 11 में बी ग्रेड की रेटिंग मिली है। सीडीओ ने कहा कि जिलाधिकारी की अध्यक्षता में नियमित समीक्षा एवं मॉनिटरिंग की गई जिसका परिणाम सामने आया है। उन्होंने कहा कि जिन विभागों से जुड़ी योजनाओं एवं परियोजनाओं में ग्रेडिंग खराब है उन्हें और बेहतर किया जाएगा और शासन की मंशानुरूप जनहित में योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाएगा।

जिलाधिकारी देवरिया व पुलिस अधीक्षक देवरिया द्वारा थाना कोतवाली में सुनी गयी समस्याएं

ब्यूरो देवरिया

देवरिया। शनिवार को जनपद देवरिया के समस्त थानों पर थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया । समस्त थानों पर राजस्व के अधिकारी एवं पुलिस के अधिकारी मौजूद रहकर उनके द्वारा जनता की समस्याओं को सुना गया एवं संयुक्त रूप से राजस्व व पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंच कर कई समस्याओं का निस्तारण भी कराया गया । इसी क्रम मे जिलाधिकारी देवरिया श्रीमती दिव्या मित्तल, पुलिस अधीक्षक देवरिया श्री संकल्प शर्मा व अपर पुलिस अधीक्षक देवरिया (उत्तरी) श्री दीपेन्द्र नाथ चौधरी द्वारा थाना कोतवाली में जनसमस्याओं को सुना गया जिसके क्रम में थाना कोतवाली पर कुल 06 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसके निस्तारण हेतु राजस्व व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम का गठन कर संबन्धित को उचित दिशा निर्देश दिये गये । इसी क्रम में क्षेत्राधिकारी सलेमपुर श्री दीपक शुक्ल द्वारा थाना सलेमपुर में जनसमस्याओं को सुना गया जिसके क्रम में थाना सलेमपुर पर 01 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ जिसके निस्तारण हेतु राजस्व व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम का गठन कर संबन्धित को उचित दिशा निर्देश दिये गये । इस अवसर पर पुलिस विभाग एवं राजस्व विभाग के संबन्धित अधिकारीध्कर्मचारीगण मौजूद रहे । थाना समाधान दिवस के अवसर पर जनपद के समस्त थानों पर कुल 128 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें 42 प्रार्थना पत्रों का निस्तारण किया गया तथा शेष के निस्तारण हेतु राजस्व व पुलिस विभाग की संयुक्त टीमों का गठन कर सम्बन्धित को उचित दिशा–निर्देश दिए गए ।

यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियम, हेलमेट और तीन सवारी को लेकर चलाया गया जागरूकता अभियान

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

यातायात पुलिस द्वारा दो पहिया वाहन पर तीन सवारी, बिना हेलमेट वाहन चलाना, मॉडिफाइड सायलेंसर,सड़को के किनारे अवैध रूप से खड़े वाहनो को हटवाना आदि के विरुद्ध विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के आदेश के क्रम मे प्रभारी यातायात अमरेश कुमार मय टीम द्वारा विशेष अभियान के तहत बाँसी कस्बा, सनई चौराहा, साड़ी तिराहा,पेट्रोल पम्प तिराहा, हाइडिल तिराहा तथा अन्य स्थानों पर पीव एव सिस्टम से आम जनमानस को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया तथा बाँसी कस्बे मे अवैध अतिक्रमण

हटवाया गया साथ ही सड़को के किनारे अवैध रूप से खड़े बड़े वाहनों का चालान किया गया एवं दो पहिया वाहनों पर तीन सवारीधबिना हेलमेट वाहन चलाना तथा चार पहिया वाहनों मे सीटबेल्ट का प्रयोग न करना,गलत दिशा मे वाहन चलाना,बुलेट दो पहिया पर मॉडिफाइड सायलेंसर का प्रयोग करने वाले 5 वाहनों का चालान करते हुए कुल 65 वाहनों का चालान करते हुए रू. 74,500ध– शमन शुल्क की कार्यवाही करते हुए प्रत्येक दशा मे यातायात नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित किया गया, जिससे होने वाली सड़क दुर्घटनाओ की संख्या मे भारी कमी लायी जा सके।

सीएमपी डिग्री कश्वलेज के प्राचार्य की अगुवाई में चला स्वच्छता अभियान

प्रयागराज(आरएनएस)। सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज में डॉ. अजय प्रकाश खरे ,प्राचार्य के नेतृत्व में आज स्व स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें सभी शिक्षकगण एवं अन्य गैर शैक्षणिक कर्मचारी तथा विद्यार्थी सम्मिलित हुए। प्राचार्य ने सभी लोगों को स्वच्छता के महत्व से रूबरू करवाया। साथ ही साथ यह भी बताया कि जहां स्वच्छता होती है वहीं स्वस्थ विचार भी उत्पन्न होते हैं। उन्होंने छात्रों को भी स्वच्छता रूपी मुहिम से परिचय कराया और उनको बताया कि जितना जरूरी शिक्षित होना है उससे कहीं ज्यादा अपने आस पास के स्थान को स्वच्छ रखना है क्योंकि स्वास्थ ही सम्पत्ति है।

केशव मौर्य के खिलाफ दाखिल याचिका खारिज

प्रयागराज(आरएनएस)। सरकार से बड़ा संगठनश डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के इस बयान को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में दाखिल याचिका खारिज कर दी गई है। कोर्ट ने शुक्रवार को मामले में सुनवाई की। चीफ जस्टिस अरुण भंसाली एवं जस्टिस विकास की पीठ ने कहा कि याचिका में कोई तत्व ही नहीं है। यह बयान पार्टी फोरम पर दिए गए हैं। संवैधानिक पद पर रहते हुए सरकारी फोरम पर नहीं। प्राइवेट कैपिसिटी में पार्टी फोरम में दिए गए बयानों का कोई मायने नहीं। इसलिए जनहित याचिका खारिज की जाती है।याचिका उप मुख्यमंत्री के बयान और उन्हें हटाने से जुड़ी थी। इससे पहले यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के खिलाफ सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस ने फैसला सुरक्षित किया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा इस केस में राज्य सरकार का पक्ष सुनने की जरूरत नहीं है।केशव मौर्या के खिलाफ याचिथा।दाखिल करने वाले हाईकोर्ट के वकील मंजेश कुमार यादव का कहना है कि कोर्ट ने फैसला सुरक्षित कर लिया था। कोर्ट के बाहर वकील राजेश सिंह ने कहा दलील दी गई कि सरकार स्वतंत्र होती है। उनका उत्तरदायित्व सदन के प्रति होता है, पार्टी के प्रति नहीं। देखिए बांग्लादेश में क्या हुआ? छोटी–छोटी बातों का नियंत्रण रखना जरूरी है, वरना कुछ भी कोई कहता रहेगा। सरकार का ही एक शख्स कह रहा है कि सरकार दबाव में काम कर रही है। ऐसा कैसे हो सकता है? चीफ जस्टिस ने केस सुना है। उन्होंने फैसला सुरक्षित रखा था।

मौत को दावत दे रहा हाई टेंशन तार से लदा लंगड़ा पोल।

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

जहाँ सरकार विकास और सहूलियत की बात करती है और लोगो सुबिधा देने की बात करती है वही दूसरी तरफ सरकारी विभाग लोगो की जिंदगी में खतरे में डाल रहे है मजबूरी में लोगो को अपनी जान जोखम में डाल कर रास्ते से गुजरना पड़ रहा है वैसे तो सरकार निगरानी करने के लिए भी कर्मचारीयो को नियुक्त किया है लेकिन कर्मचारी केवल कार्यलय में बैठकर आराम फरमा रहे है और लोगो की जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहे है बताते चले कि जिले के जोगिया विकास खंड अंतर्गत पलिया करौना जाने वाली नगर के रास्ते पर विधुत विभाग द्वारा पोल गाड़ कर बिजली सप्लाई देने के हाई बोल्टेज तार गए है आस पास कुछ घर भी बने है ग्रामीण क्षेत्रो के लोगो को करौना चौराहे ओर जाने के लिए इस रास्ते का

प्रयोग भी ज्यादा किया जाता है इसी रास्ते पर बिजली विभाग का डबल पोल लगा है जिस पर हाई टेंशन तार का लोड है लेकिन इसका एक पोल ही जमीन पर टिका है जबकि दूसरा पोल गल गया है और जमीन से काफी ऊपर लटक रहा है बारिश का मौसम है और पानी से मिट्टी गल जाने से दूसरा पोल भी गिर सकता है जिससे विद्युत व्यवस्था ठप तो होगी ही लेकिन अगर ये पोल किसी इंसान के ऊपर गिरा तो उसकी मौत निश्चित है ।मजे की बात तो ये है की विद्युत विभाग को इस बात की शायद जानकारी नही है और होगी भी कैसे जब विद्युत विभाग का कोई कर्मचारी कभी इस बात की जानकारी लेने ग्रामीण या शहरी क्षेत्रों में नही जाकर देखते की कहा गड़बड़ी है सारा भार उपभोगताओं पर है विजली जलाने के लिए बिल भी दे और गड़बड़ी की सूचना भी विभागीय कर्मचारी केवल विभागों में बैठकर मौज करते रहते है।

माधव प्रसाद त्रिपाठी चिकित्सा महाविद्यालय के सभागार में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान का किया गया

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार की उपस्थिति में माधव प्रसाद त्रिपाठी चिकित्सा महाविद्यालय के सभागार में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान का शुभारम्भ किया गया जिलाधिकारी द्वारा सर्वप्रथम फाइलेरिया की

दवा खाकर शुरूआत किया गया, इसके पश्चात मुख्य विकास अधिकारी, सभी डॉक्टरों, कर्मचारियों एवं मेडिकल कालेज के छात्र–छात्राओं द्वारा फाइलेरिया की दवा खायी गयी जिलाधिकारी द्वारा फाइलेरिया की दवा जरूर खाने का अपील किया गया अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 डी0के0 चौधरी द्वारा जिलाधिकारी को वृक्ष, मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 डी0के0 चौधरी एवं प्रभारी प्राचार्य डॉ0 सगुफ्ता को जिला मलेरिया अधिकारी द्वारा वृक्ष देकर स्वागत किया गया इस मौके पर जिलाधिकारी ने बताया कि फाइलेरिया उन्मूलन अभियान दिनांक 10 अगस्त 2024 से 02 सितम्बर 2024 तक चलेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि फाअलेरिया बीमारी हो जाने पर जल्दी ठीक नहीं होता है इसलिए फाइलेरिया की दवा अवश्य खायें। फाइलेरिया बीमारी मच्छरों के काटने से फैलती है इससे बचने के लिए मच्छरदानी, फुल बांह के कपड़े आदि का प्रयोग करना चाहिए। इस बीमारी से बचाव के बारे में ग्राम प्रधान एवं आशा लोगों को जागरूक करे। पम्लेट के माध्यक से व्यापक प्रचार–प्रसार करायें। प्रतिदिन विद्यालयो में प्रार्थना के समय ही बच्चो को इस बीमारी के बारे में जागरूक करे। सभी आशा घर–घर जाकर फाइलेरिया ध्एल्वेंडाजोल दवा 2–3 वर्ष के बच्चो को आधी गोली तथा 03 वर्ष से ऊपर को 01 गोली खिलायें। 01 वर्ष के बच्चों को दवा नहीं खिलाना है। फाइलेरिया की दवा सुबह 11 बजे के बाद ही खिलाये। खाली पेट दवा न खिलाया जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि जिस आशा का कार्य अच्छा होगा उसे पुरस्कृत किया जायेगा। गर्भवती महलाओ एवं गम्भीर मरीजो को फाइलेरिया की दवा नही खिलाया जायेगा। कितने लोगो को दवा खिलाया गया है सभी रजिस्टर में अंकित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि यह अभियान आज से शुरू हो गया है इसकी प्रतिदिन मॉनीटरिंग करें। जिलाधिकारी ने कहा कि यह जिला आकांक्षी जनपद की श्रेणी में है हम सबको मिलकर इस जनपद को अग्रणी जनपद में लाने की हम सबकी जिम्मेदारी है। आप सभी लोग क्षेत्र में जाकर गांव के गरीब लोगों का दर्द समझ लो उनकी सेवा करके अच्छा लगेगा और भविष्य में आगे बढ़ेंगे। जिलाधिकारी द्वारा सभी डॉक्टरों एवं मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्रों को धन्यवाद दिया गया और एमबीबीएस की पढ़ाई के बारे में अपने अनुभवों को साझा किया गया जिलाधिकारी ने कहा कि सभी लोग अपने स्टाफ का सम्मान करें यदि कोई समस्या होती है तो हमसे कभी भी मिल सकते हैं। मरीजों के साथ डॉक्टर को अच्छा व्यवहार करना चाहिए। इस बैठक में जिला मलेरिया अधिकारी, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, डॉ0 नौशाद, डॉ0 एकता द्विवेदी, डॉ0 कनिका मिश्रा,डी0पी0एम0, डी0सी0पी0एम0 मानबहादुर, समीर सिंह व मेडिकल कालेज के छात्र–छात्राए आदि उपस्थित थे।

सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस का हुआ आयोजन।

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

शासन के मंशा के अनुरूप प्रत्येक माह के द्वितीय एवं चतुर्थ शनिवार को सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस का आयोजन किया

जाता है जिसमे लोगो की समस्या को सुनकर उनका निस्तारण करने का काम किया जाता है समाधान दिवस में ऐसे मामले आते है जो कई बार विभाग और थाने का चक्कर लगाने के बाद भी हल नही होता आज इसी कड़ी में थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर की अध्यक्षता में थाना भवानीगंज में थाना समाधान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस के अवसर पर आने वाले शिकायत कर्ताओं की समस्याओं को जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर द्वारा सुना गया ज्यादातर प्रकरण भूमि विवाद एवं नाली से संबधित था उपजिलाधिकारी डुमरियागंज एवं तहसीलदार डुमरियागंज को निर्देश दिया गया कि आवेदन कर्ताओ के सभी प्रार्थना–पत्रों का मौके पर जाकर निस्तारण कराये समस्त राजस्व निरीक्षक एवं लेखपाल को निर्देश दिया कि भूमि विवाद, वरासत, बंटवारा आदि के जो प्रकरण हैं उनका मौके पर जाकर सही ढ़ग से निस्तारण करायें। किसी को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाये। सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा थाना भवानीगंज के अपराध रजिस्टर, जनसुनवाई रजिस्टर, कम्प्यूटर कक्ष, कार्यालय, महिला हेल्प डेस्क, एच.एस. रजिस्टर, शस्त्र रजिस्टर, 27ध्30 के अन्तर्गत शस्त्र के लाइसेंस धारक द्वारा किये गये उल्लघंन का निरीक्षण किया इसके अलावा जमानत सत्यापन रजिस्टर, पैदल गस्त के संबध में जानकारी ली गयी शस्त्र रिनिवल रजिस्टर, गुण्डा एक्ट रजिस्टर, मालखाना, जी.डी. धारा के अन्तर्गत दर्ज मामलो को देखा गया। दीवान को सभी रजिस्टर समय से पूर्ण करने का निर्देश दिया समस्त रजिस्टरों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ द्वारा दिया गया। इस दौरान उपजिलाधिकारी डुमरियागंज संजीव दीक्षित, तहसीलदार डुमरियागंज, प्रभारी निरीक्षक भवानीगंज व अन्य अधिकारीध कर्मचारी, हल्का लेखपालध्राजस्व निरीक्षक आदि उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर द्वारा थाना उसका बाजार व बांसी पर जनता की समस्याओं के निस्तारण हेतु थाना समाधान दिवस का किया गया आयोजन।

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

शासन के दिये गये निर्देश के अनुसार जनता की समस्याओं के समाधान हेतु प्राची सिंह पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर द्वारा थाना उसका बाजार व थाना बांसी में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया तथा जनता की समस्याओं के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबन्धित को आदेशित किया गया सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजन के दौरान क्षेत्राधिकारी सदर व बांसी, प्रभारी निरीक्षक उसका बाजार व बांसी तथा थाना उसका बाजारध्बांसी के समस्त अधिकारीध्कर्मचारीगण मौजूद रहें ।सिद्धार्थनगर– शासन के दिये गये निर्देश के अनुसार जनता की समस्याओं के समाधान हेतु प्राची सिंह पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर द्वारा थाना उसका बाजार व थाना बांसी में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया तथा जनता की समस्याओं के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबन्धित को आदेशित किया गया सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजन के दौरान क्षेत्राधिकारी सदर व बांसी, प्रभारी निरीक्षक उसका बाजार व बांसी तथा थाना उसका बाजारध्बांसी के समस्त अधिकारीध्कर्मचारीगण मौजूद रहें ।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में काकोरी ट्रेन एक्शन डे का आयोजन

प्रयागराज(आरएनएस)। राष्ट्रीय सेवा योजना इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह में बोलते हुए एस.एस.खन्ना महिला महाविद्यालय के मध्यकालीन इतिहास विभाग के डॉ. शिव शंकर श्रीवास्तव ने कहा कि काकोरी ट्रैन एक्शन कार्यवाही भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के क्रान्तिकारियों द्वारा ब्रिटिश राज के विरुद्ध हथियार खरीदने के लिये ब्रिटिश सरकार का ही खजाना अपहृत करने की एक ऐतिहासिक घटना थी। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के डॉ. सर्वेश सिंह ने कहा क्रान्तिकारियों द्वारा चलाए जा रहे स्वतन्त्रता के आन्दोलन को गति देने के लिये धन की तत्काल व्यवस्था की जरूरत के लिये शाहजहाँपुर में हुई बैठक के दौरान राम प्रसाद बिस्मिल ने अंग्रेजी सरकार का खजाना अपहृत करने की योजना बनायी थी ।इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मध्यकालीन इतिहास विभाग के ही डॉ. अखिल कुमार गुप्ता ने कहा कि योजनानुसार दल के ही एक प्रमुख सदस्य राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी ने 9 अगस्त 1925 को लखनऊ जिले के काकोरी रेलवे स्टेशन से छूटी ष्आठ डाउन सहारनपुर–लखनऊ पैसेन्जर ट्रेनष् को चेन खींच कर रोका और क्रान्तिकारी पण्डित राम प्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में अशफाक उल्ला खाँ, चन्द्रशेखर आजाद व 6 अन्य सहयोगियों की सहायता से समूची लौह पथ गामिनी पर धावा बोलते हुए सरकारी खजाना अपहृत कर लिया ।इस अवसर पर बोलते हुए इलाहाबाद विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक प्रो. राजेश कुमार गर्ग ने कहा कि अंग्रेजी सत्ता ने क्रांतिकारियों की पार्टी हिन्दुस्तान रिपब्लिकन ऐसोसिएशन के कुल 40 क्रान्तिकारियों पर सम्राट के विरुद्ध सशस्त्र युद्ध छेड़ने, सरकारी खजाना लूटने व यात्रियों की हत्या करने का प्रकरण चलाया जिसमें राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी, पण्डित राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खाँ तथा ठाकुर रोशन सिंह को मृत्यु दण्ड सुनाया गया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनीष कुमार गौतम ने जबकि धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तेज प्रकाश ने किया। इस अवसर पर शिक्षा शास्त्र विभाग की डॉ. कविता सिंह ने काव्य पाठ भी किया।

सारगर्भित इतिहास लिखा जाना बाकी है- प्रो. श्रीवास्तव

प्रयागराज(आरएनएस)। जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज में आज प्राचीन इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा ष्सम आसपेक्टस आफ हिस्ट्री राइटिंगश विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट वक्ता प्रो. ओमप्रकाश श्रीवास्तव प्राचीन इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग इ.वि.वि रहे। प्रो. दीपशिखा बनर्जी ने अतिथि वक्ता का स्वागत किया। प्रो. मीनाश्री यादव ने व्याख्यान की विषय वस्तु से सबका परिचय कराया। प्रोफेसर ओमप्रकाश श्रीवास्तव ने इतिहास लेखन की जटिलताओ पर विस्तार से प्रकाश डाला।

रोटरी इलाहाबाद मिडटाउन ने किया राखी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज(आरएनएस)। ज्वाला देवी स्कूल में रोटरी इलाहाबाद मिडटाउन द्वारा राखी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। ये राखियाँ आर्मी ऑफिसर्स को भेजी जाएंगी ताकि वे राखी के दिन अपनी कलाइयों पर बांध सकें। महिला सशक्तिकरण अध्यक्ष रोटरी अनुरागिनी सिंह ने इसकी रूपरेखा तैयार की है। क्लब ने १० विजेता छात्राओं को उपहार देकर सम्मानित किया। छात्राओं ने कहा कि देश की हिफाजत के लिए सीमाओं पर तैनात सैनिकों की कलाई रक्षाबंधन के दिन सूनी नहीं रहनी चाहिए,

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।